RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:227 ता. 05 मार्च 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली सरकार का डीटीसी कर्मचारियों को होली का तोहफा

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने होली का तोहफा देते हुए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के तहत 216 ड्राइवरों और कंडक्टरों को सहायक यातायात निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया है। इस कदम का उद्देश्य शहर भर में विभिन्न बस मार्गों पर तैनात यातायात निरीक्षकों की संख्या को बढ़ाना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग वैध टिकट और वैध बस पास के साथ यात्रा करें। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, ÷मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में कर्मचारियों के कल्याण को अत्यधिक महत्व दिया गया है। मैं सभी 216 चालकों और परिचालकों को सहायक यातायात निरीक्षक के पद पर पदोन्नति पर बधाई देता हूं। मैं चाहता हूं कि इस नई भूमिका में वे नए उत्साह के साथ काम करें और शहर में बस संचालन को और सुचारू रूप से चलाने में मदद करें। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक बस यात्री वैध टिकट या बस पास के साथ यात्रा करना सुनिश्चित करे और जो लोग नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं उनकी इस टीम द्वारा लगातार निगरानी की जाएगी। पिछले कुछ महीनों में, हमने देखा है कि दिल्ली में बसों की औसत दैनिक सवारियों की संख्या 40 लाख तक पहुंच गई है । यह कदम केजरीवाल सरकार की डीटीसी कर्मचारियों के कल्याण को सुनिश्चित करने और दिल्ली के लोगों को बेहतर परिवहन सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कुल 193 ड्राइवरों और 23 कंडक्टरों को पदोन्नत किया गया है। अब वे दिल्ली में बस संचालन को सुचारू रूप से चलाने के लिए डीटीसी के साथ मिलकर काम करेंगे। बेड़े में और अधिक बसें शामिल होने के साथ, सरकार सभी यात्रियों के लिए यात्रा को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है।

आठ मार्च को अहमदाबाद पहुंचेंगे ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री, सत्ता संभालने के बाद उनकी पहली भारत यात्रा

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बात होगी। इसके अलावा सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए पीएम मोदी और पीएम अल्बनीज वार्षिक शिखर सम्मेलन में भी शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री अलबनीज दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे।

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। वे आठ से 11 मार्च तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। उनके साथ व्यापार और पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल, संसाधन और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के मंत्री मेडेलीन किंग और एक उच्च-स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल साथ आएगा। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री होली के दिन आठ मार्च को अहमदाबाद पहुंचेंगे। दिल्ली पहुंचने से पहले वह नौ मार्च को मुंबई भी जाएंगे।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बात होगी। इसके अलावा सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए पीएम मोदी और पीएम अल्बनीज वार्षिक शिखर सम्मेलन में भी शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री अलबनीज दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे।

पिछले साल मई में प्रधानमंत्री बनने के बाद अल्बानीज की यह पहली भारत यात्रा होगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा की तैयारी के लिए फरवरी में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। अल्बानीज ने जयशंकर से मुलाकात के बाद एक ट्वीट में अपनी भारत यात्रा का जिक्र किया था। उन्होंने ट्वीट किया था कि अगले महीने अपनी भारत यात्रा से पहले डॉ. एस. जयशंकर से सुबह मिलना शानदार रहा। जानकारी के मुताबिक, अल्बानीज की यात्रा के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत की पृष्ठभूमि में दोनों देशों के बीच सहयोग के विस्तार पर भी चर्चा हो सकती है। अपने दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बानीज ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में यह मेरी पहली भारत यात्रा होगी। मैं ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मजबूत संबंध को और मजबूत करने के लिए तत्पर हूं। भारत के साथ हमारे संबंध मजबूत हैं, लेकिन यह और मजबूत हो सकते हैं। यह हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर टिकी है। इससे हमारे रक्षा, आर्थिक और तकनीकी हितों को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता झलकती है। उन्होंने कहा कि एक मजबूत भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी हमारे क्षेत्र की स्थिरता के लिए अच्छी है। इसका अर्थ अधिक अवसर, अधिक व्यापार और निवेश भी है। हमारी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना और हमारे लोगों को सीधे लाभ पहुंचाना, यही हमारा मकसद है।

उन्होंने कहा कि जब हम भविष्य की ओर देखते हैं, तो पाते हैं कि भारत-ऑस्ट्रेलिया का एक महत्वपूर्ण भागीदार और घनिष्ठ मित्र बने रहेंगे। मैं क्वाड लीडर्स समिट के लिए इस साल के मध्य में ऑस्ट्रेलिया में पीएम मोदी की मेजबानी करने और जी-20 लीडर्स समिट के लिए सितंबर में फिर से भारत आने के लिए उत्सुक हूं।

वार्षिक शिखर वार्ता के लिए ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री होली के दिन आएंगे भारत

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीस 8 मार्च को चार दिवसीय दौरे पर भारत आएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत आ रहे मेहमान नेता उनके साथ व्यापक रणनीतिक भागीदारी के तहत वार्षिक शिखर सम्मेलन में आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों सहित सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री अल्बनीस की यात्रा से व्यापक सामरिक साझेदारी को और गति मिलने की उम्मीद है। यात्रा के दौरान उनके साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी होगा जिसमें व्यापार और पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल तथा संसाधन और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया मंत्री मेडेलीन किंग सहित उच्च अधिकारी और व्यापारिक प्रतिनिधि शामिल होंगे।

● अपनी वर्तमान भूमिका में प्रधानमंत्री अल्बनीज की यह पहली भारत यात्रा होगी। औपचारिक स्वागत से पहले होली के दिन 8 मार्च को प्रधानमंत्री अल्बनीज अहमदाबाद पहुंचेंगे। दिल्ली पहुंचने से पहले 9 मार्च को मुंबई भी जाएंगे।

प्रधानमंत्री अल्बनीस का 10 मार्च को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री अल्बनीस इसी दिन भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक भागीदारी के तहत वार्षिक शिखर सम्मेलन में आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों सहित सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री अल्बनीस, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। अपनी वर्तमान भूमिका में प्रधानमंत्री अल्बनीज की यह पहली भारत यात्रा होगी। औपचारिक स्वागत से पहले होली के दिन 8 मार्च को प्रधानमंत्री अल्बनीज अहमदाबाद पहुंचेंगे। दिल्ली पहुंचने से पहले 9 मार्च को मुंबई भी जाएंगे। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को जून 2020 में एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में उन्नत किया गया था, जिसे लगातार उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान और क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के माध्यम से मजबूत किया गया है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को कोर्ट से 'सुप्रीम' राहत, 17 मार्च तक बढ़ाई अंतरिम जमानत

प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने समयाभाव के कारण सुनवाई को 17 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया। पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश और असम के जवाब रिकॉर्ड में नहीं हैं और वह याचिका पर होली की छुट्टी के बाद सुनवाई करेगी।

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अंतरिम जमानत की अवधि 17 मार्च तक बढ़ा दी। मामले में असम पुलिस ने खेड़ा को गिरफ्तार किया था। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने समयाभाव के कारण सुनवाई को 17 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया। पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश और असम के जवाब रिकॉर्ड में नहीं हैं और वह याचिका पर होली की छुट्टी के बाद सुनवाई करेगी। असम सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि राज्य ने खेड़ा की याचिका पर जवाब दाखिल कर दिया है और जब भी अदालत इसे सुनवाई योग्य समझेगी, वह मामले पर बहस करना चाहेंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि खेड़ा को दी गई अंतरिम जमानत को 17 मार्च तक बढ़ा दिया गया है।

इससे पहले, 27 फरवरी को अदालत ने कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा को दिए गए संरक्षण की अवधि शुक्रवार तक के लिए बढ़ा दी थी।

मुंबई में 17 फरवरी को संवाददाता सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ खेड़ा की कथित टिप्पणी को लेकर उन्हें उस समय दिल्ली हवाईअड्डे पर गिरफ्तार किया गया था, जब वह रायपुर जाने वाली उड़ान में सवार हुए थे। तेईस फरवरी को तत्काल सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ के खेड़ा को अंतरिम जमानत प्रदान करने के बाद यहां की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी।

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने किए महाकाल के दर्शन, भस्म आरती में भी हुए शरीक

उज्जैन। क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने आज मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाई। विराट और अनुष्का यहां महाकाल ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने के बाद सुबह की भस्म आरती में शामिल हुए और फिर पूजा-अर्चना की। इस दौरान अभिनेत्री अनुष्का शर्मा जहां हल्के गुलाबी रंग की साड़ी में नजर आई तो वहीं उनके पति विराट कोहली माथे पर चंदन और गले में रुद्राक्ष की माला के साथ बनियान और धोती धारण किए हुए थे। यहां पति-पत्नी दोनों ही महाकाल के सामने पहली पंक्ति में हाथ जोड़ बैठे दिखे। इसके बाद दोनों ने मंदिर के गर्भगृह में जाकर पंचामृत पूजन अभिषेक भी किया। मंदिर से निकलने के दौरान अनुष्का ने पत्रकारों से कहा कि हम यहां पूजा करने आए थे और महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन किए।

यूक्रेन युद्ध है सबक, भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर रहने की जरूरत : CDS जनरल अनिल चौहान

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रही रायसीना डायलॉग की बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने रूस-यूक्रेन युद्ध के संबंध में अहम बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में जारी जंग से भारतीय सशस्त्र बल यह सबक सीख सकते हैं कि उन्हें हथियारों और सैन्य उपकरणों की आपूर्ति के लिए अन्य देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। रायसीना डायलॉग की बैठक में जनरल चौहान ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए सरकार की पहल बड़ी संख्या में प्रमुख उपकरण और हथियार प्रणालियों का उत्पादन करने का विकल्प प्रदान कर रही हैं।

'हमें आत्मनिर्भर होने की जरूरत'-रायसीना डायलॉग की बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कहा कि हमें आत्मनिर्भर होने की जरूरत है। यह हमारे लिए यूक्रेन युद्ध से सबसे बड़ा सबक है। हम अपने हथियारों के लिए दूसरे देशों से आने वाली आपूर्ति पर निर्भर नहीं रह सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम संघर्ष से यही एक बड़ा सबक सीखते हैं। जनरल चौहान ने यह टिप्पणी एक सवाल का जवाब देते हुए की है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह का विचार था कि आधुनिक वक्त में युद्ध छोटे और तीव्र होंगे लेकिन हम जो यूक्रेन में देख रहे हैं वे लंबा युद्ध है।

सीडीएस जनरल ने गिनवाई चुनौतियां

जनरल अनिल चौहान ने यह भी कहा कि यूक्रेन युद्ध ने इस सवाल को उठाया है कि क्या देशों को छोटे तीव्र युद्धों के लिए क्षमता विकसित करनी चाहिए या उन्हें लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना चाहिए। सीडीएस ने कहा कि भारत के मामले में, वास्तव में हमें यह देखना होगा कि भविष्य में हमें किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। हमें नहीं लगता कि यूरोप में जो कुछ हो रहा है, उस तरह का कोई लंबा संघर्ष होने वाला है।

ऑस्ट्रेलिया के जनरल एंगस ने रूस की आलोचना

दिल्ली में चल रही रायसीना डायलॉग की बैठक में ऑस्ट्रेलिया के रक्षा बल के प्रमुख जनरल एंगस जे कैम्पबेल ने यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की कड़ी आलोचना की है । उन्होंने कहा कि यह एक अवैध, अन्यायपूर्ण और बेरहम हमला है। तो वहीं वह यह भी बोले कि यूक्रेन पर रूस का हमला संप्रभु क्षेत्र और एक संप्रभु राष्ट्र की अखंडता का उल्लंघन करता है।

त्रिपुरा की पहली महिला सीएम बन सकती हैं प्रतिमा भौमिक, मुख्यमंत्री के लिए बीजेपी की पहली पसंद, धनपुर सीट से 3500 वोट से जीती चुनाव

अगरतला। त्रिपुरा में भाजपा ने 32 सीटें जीतकर एक बार फिर पूर्ण बहुमत से सरकार बना ली है। इस बीच राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसपर मंथन शुरू हो गया है। चुनाव से पहले ये माना जा रहा था कि माणिक साहा को भाजपा फिर से मुख्यमंत्री का चेहरा बना सकती है, लेकिन अब इस रेस में केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक का नाम सामने आ रहा है। प्रतिमा भौमिक त्रिपुरा की अगली मुख्यमंत्री बन सकती हैं। राज्य में पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिए भेजे जाने वाले सेंट्रल सुपरवाइजर से टॉप लीडरशीप ने उनके नाम पर रायशुमारी के लिए कहा है। यदि भौमिक मुख्यमंत्री बनती हैं, तो वे उत्तर-पूर्वी राज्यों में पहली महिला मुख्यमंत्री बनेंगी।

विधायल दल की मीटिंग में रखा जाएगा प्रस्ताव

सूत्रों के मुताबिक होली से पहले ही दो सेंट्रल सुपरवाइजर त्रिपुरा भेजे जाएंगे। रायशुमारी पॉजिटिव रहने के बाद विधायक दल के नेता के रूप में भौमिक का नाम मुख्यमंत्री माणिक साह प्रस्तावित करेंगे। प्रतिमा मोदी सरकार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री है।

पार्टी ने उन्हें त्रिपुरा के धनपुर विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया था। इस सीट पर वह 3500 वोट से जीती हैं। इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री माणिक साहा पांच बार विधायक चुने गए थे। पीएम मोदी महिला वोटरों को अपनी जीत का मुख्य सूत्रधार मानते हैं। इसका जिक्र उन्होंने कई भाषणों में किया है।

फिलहाल, भाजपा शासित राज्यों में एक भी महिला मुख्यमंत्री नहीं है। राजस्थान में अभी वसुंधरा राजे सिंधिया को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं किया गया है।

नॉर्थ ईस्ट में पहली महिला मुख्यमंत्री

भाजपा सूत्रों का मानना है कि त्रिपुरा का सीएम कौन होगा, ये फैसला दिल्ली से पार्लियामेंट्री बोर्ड करेगा, लेकिन मामला चूंकि नॉर्थ ईस्ट और त्रिपुरा से जुड़ा है, इसलिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा इसके महत्वपूर्ण किरदार हो सकते हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा महिला वोटर्स को आकर्षित करने के लिए प्रतिमा भौमिक को सामने रख महिला कार्ड खेल सकती है। अगर ऐसा होता है तो प्रतिमा भौमिक त्रिपुरा समेत पूरे नॉर्थ ईस्ट से बनने वाली पहली महिला मुख्यमंत्री बन जाएंगी।

महिलाएं हैं BJP की साइलेंट वोटर

भाजपा नेताओं ने संकेत दिया है कि 2024 के आम चुनाव में महिलाओं तक पहुंचने के लिए और अधिक योजनाएं शुरू की जाएंगी। 76वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्रचारी से पीएम मोदी ने महिलाओं के उत्थान और विकास पर खूब जोर दिया था। उन्होंने पार्टी नेताओं को कहा था कि महिलाएं ही भाजपा की साइलेंट वोटर हैं। इससे पहले 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और 2020 में बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपनी जीत का क्रेडिट महिला वोटर्स को दिया था।

धूम्रपान सेहत के लिए हानिकारक है, एक कश लगाते ही युवक ने गंवाई आवाज

राजकोट। धूम्रपान सेहत के लिए हानिकारक है ऐसी चेतावनी कई जगह लिखी देखने को मिल जाती है। धूम्रपान से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों के रोग से बचने के लिए धूम्रपान ना करने की हिदायत दी जाती है। लंबे समय तक धूम्रपान करने से कैंसर इत्यादि की बीमारी होने की बात सुनी होगी, लेकिन सिगरेट का एक कश लगाने के साथ आवाज गंवाने की घटना पहली बार सुनी है. यह चौंकानेवाली घटना राजकोट की है. जहां एक शख्स पशुओं को चरा रहा था. तब एक अज्ञात व्यक्ति ने युवक को पीने के लिए सिगरेट दी. सिगरेट पीते ही युवक की तबियत बिगड़ गई और उसे उपचार के लिए राजकोट के अस्पताल में भर्ती कराया गया. सिगरेट पीने से युवक की आवाज जाने की खबर के बाद धूम्रपान करने वालों में दहशत फैल गई. धूम्रपान से गंभीर बीमारियों के बारे में सुना है जो जान तक ले सकती हैं. लेकिन धूम्रपान और वह भी एक कश लगाने के बाद तुरंत आवाज गंवाने की घटना शायद ही सुनी होगी. सर्वोदय होस्पिटल एन्ड रिसर्च सेंटर के इन्टरनल मेडिसिन स्पेश्यालिस्ट और जनरल फिजिशियन डॉ. सुमित अग्रवाल के मुताबिक लंबे समय तक धूम्रपान करने से गले में दर्द हो सकता है, लेकिन इस मामले में और रिसर्च करने की जरूरत है. सिगरेट पीने से इस प्रकार आवाज को नुकसान नहीं पहुंचाती. उसके कई दुष्प्रभाव है लेकिन कंठस्थान पर तुरंत उसका प्रभाव देखने को नहीं मिलता.

गुजरात में शुरू होगा देश का पहला विदेशी यूनिवर्सिटी का कैम्पस

अहमदाबाद . गुजरात के विद्यार्थियों को अब पढ़ाई के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं होगी. क्योंकि गुजरात में ऑस्ट्रेलियन यूनिवर्सिटी शुरू होने जा रही है. ऑस्ट्रेलिया की दो वोलोनगोंग और डीकिन यूनिवर्सिटी गुजरात में कैम्पस शुरू करेगी. बता दें कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने 1 फरवरी को दिल्ली यूनिवर्सिटी के वैंकटेश्वर कॉलेज में आयोजित समारोह में घोषणा की थी कि ऑस्ट्रेलिया की दो यूनिवर्सिटी गुजरात के गिफ्ट सिटी में अपने कैम्पस स्थापित करेगी. भारत में पहली बार किसी विदेशी यूनिवर्सिटी का कैम्पस खुलने वाला है. गुजरात के गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में एक स्वतंत्र कैम्पस के माध्यम से भारत में प्रवेश करने वाली पहली विदेशी यूनिवर्सिटी बनने को तैयार है. संभावना है कि 8 मार्च को ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी नॉर्मन अल्बनिज अहमदाबाद यात्रा के दौरान इसकी घोषणा कर सकते हैं. आईएफएससी के श्रीनिवास के मुताबिक यूके की भी कई यूनिवर्सिटी गिफ्ट सिटी में कैम्पस शुरू करने पर विचार कर रही है. ऑस्ट्रेलिया के साथ किए जानेवाले करार में दोनों देशों के विद्यार्थियों को एक-दूसरे के साथ पढ़ाई करने और नौकरी के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे. वोलोनगोंग यूनिवर्सिटी की शुरुआत साल के अंत में होगी. जिसमें वाणिज्य समेत मैनेजमेंट से संबद्ध पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे. डीकिन यूनिवर्सिटी की स्थापना भी इसी कैम्पस में होगी. भारतीय विद्यार्थियों के स्कील डेवलपमेंट पर ऑस्ट्रेलिया करीब 19 लाख डॉलर खर्च करेगी. डीकिन भारत में अपना कैम्पस बनाने वाली पहली विदेशी यूनिवर्सिटी होगी.

पूर्वोत्तर में जीत से गदगद श्रीनगर में भाजपा कार्यकर्ता, घाटी में बनेगी भाजपा सरकार

जम्मू । पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद से पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह का माहौल है। इस साल अभी छह और राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। इसकारण चुनावों की तैयारियों में जुटे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को लगता है कि पीएम मोदी का जादू बाकी सभी जगह भी चलेगा। जम्मू-कश्मीर के बारे में भी माना जा रहा है कि इस साल गर्मियों में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, क्योंकि परिसीमन का काम पूरा हो चुका है। इसलिए जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा कार्यकर्ता चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। तीन राज्यों के परिणाम ने इन कार्यकर्ताओं का उत्साह और बढ़ा दिया है। श्रीनगर में जिस तरह भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया वह देखते ही बन रहा था। इस दौरान पार्टी नेताओं ने कहा कि हम पूर्वोत्तर के राज्यों की तरह जम्मू-कश्मीर में भी सरकार बनाने वाले हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग को मिल रहा है, इसलिए हर कोई भाजपा के साथ जुड़ रहा है। बता दें कि जश्न के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर पटाखे फोड़े और मोदी मोदी के नारे भी लगाए।

11 मार्च को जंतर-मंतर से न्यू विजन ऑफ इंडिया पेश करुंगा : सिब्बल

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व नेता और निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल ने दावा किया है कि वहां आगमी 11 मार्च को जंतर-मंतर से एक मुहिम की शुरुआत के तहत न्यू विजन ऑफ इंडिया पेश करुंगा। सिब्बल ने कहा कि ये कोई राजनीतिक मुहिम नहीं हैं। हम चाहते हैं कि सब मिलकर इस बदलाव के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि किसी भी शासन में सब चीजें बुरी नहीं होती पर अब उसकी हद हो चुकी है। इसकारण 11 मार्च को जंतर-मंतर पर हम इस मुहिम की शुरुआत करने वाले हैं। इसके लिए सिब्बल विपक्षी दलों के नेताओं और मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित करने वाले हैं। इस सिलसिले में वहां महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ जाकर विपक्षी दलों के नेताओं को एकजुट करने वाले हैं। हालांकि सिब्बल ने कहा, मैं पीएम मोदी जी की आलोचना करने नहीं बैठा, मैं उन्हें सुधार दूंगा। ये कोई राजनिक मुहिम नहीं हैं। हम चाहते हैं कि सब मिलकर इस बदलाव के लिए काम करें। मैं पूछना चाहता हूं कि हिंदुस्तान के वकील चुप क्यों हैं। मुझे लगता है कि हिन्दुस्तान के वकीलों को एकजुट होकर एक नई आवाज उठानी चाहिए। देश का संविधान ये कहता है कि इंसाफ मिलना चाहिए न्याय (सामाजिक, आर्थिक और राजानिक) होना चाहिए। एक चुनी हुई सरकार को गिरा दिया गया, विश्व में कौन सा ऐसा लोकतांत्रिक देश है, जहां पर ऐसा होता है और इस पर कोर्ट, जनता और वकील चुप बैठे हैं। सिब्बल ने दावा किया कि केवल देश के सौ लोगों के पास 54 लाख करोड़ है। देश बिना बजट के इस पैसे से 18 महीने तक चल सकती है। किसी के पीछे भी ईडी और सीबीआई लगा दी जा रही है। हम देश में सरकार बनाम जनता देख रहे हैं। 121 लोगों खिलाफ ईडी पहुंची, इसमें से 115 विपक्षी लोग थे। जो बीजेपी में शामिल हुए, उनके खिलाफ केस भी खत्म कर दिया गया। उन्होंने कहा, एक नागरिक की डिग्निटी की रक्षा करना संविधान का कर्तव्य है, लेकिन सरकार उसी के धर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। ये वक्त आ गया है जानता को जागरूक करने का, आप हमारे धर्म के सिपाही बनिए, मैं चाहूंगा विपक्षी दलों के सीएम और नेता हमारे अभियान में सहयोग दें।

दुर्भाग्य से आजादी के बाद आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर जोर नहीं दिया गया, हमारी सरकार ने दिया : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुनियादी ढांचा और निवेश को लेकर आयोजित वेबिनार को संबोधित कर कहा कि इस साल का बजट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को नई ग्रोथ एनर्जी देगा। उन्होंने कहा कि देश के विकास की प्रक्रिया में इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलप करना हमेशा एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। इस क्षेत्र में हो रहे कार्यों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज, राष्ट्रीय राजमार्गों का औसत वार्षिक निर्माण 2014 से पहले की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से आजादी के बाद आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर उतना बल नहीं दिया गया, जितना दिया जाना चाहिए था। हमारे यहां दशकों तक एक सोच हावी रही कि गरीबी एक मनोभाव है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया के बड़े-बड़े एक्सपर्ट्स और कई प्रतिष्ठित मीडिया हाउसेस ने भारत के बजट और उसके रणनीतिक निर्णयों की तारीफ की है। नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइप लाइन के तहत सरकार आने वाले समय में 110 लाख करोड़ रुपये निवेश करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। ये समय

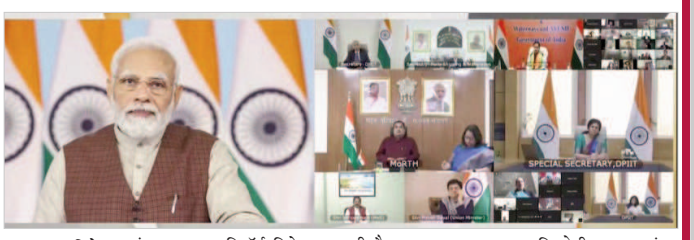

प्रत्येक स्टेक होल्डर के लिए नए दायित्व, नई संभावनाओं और साहसपूर्ण निर्णयों का है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे यहां दशकों तक सोच हावी रही कि गरीबी एक मनोभाव है। इस सोच की वजह से देश के इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश करने में पहले की सरकारों को दिक्कत होती थी। हमारी सरकार ने इस सोच से देश को बाहर निकालकर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर रिकॉर्ड निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले हर साल 600 रूट किलोमीटर रेल लाइन का इलेक्ट्रिफिकेशन होता था। आज ये लगभग 4000 रूट किलोमीटर तक पहुंच रहा है। एयरपोर्ट की संख्या 2014 की तुलना में 74 से बढ़कर 150 के करीब पहुंच चुकी है।

येदियुरप्पा ने कहा, लोकायुक्त की जांच में हस्तक्षेप का सवाल ही नहीं

बेंगलुरू । कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार रिश्वत के आरोपी पार्टी विधायक और उनके बेटे को नहीं बचाएगी। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त की जांच में हस्तक्षेप का सवाल ही नहीं उठाता है। येदियुरप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई इस संबंध में पहले ही एक बयान जारी कर चुके हैं। उन्होंने कहा, कोई भी जांच में हस्तक्षेप की कोशिश नहीं कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कानूनी ढांचे के तहत आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी। मैं इसके बारे में आगे नहीं बोलूंगा। येदियुरप्पा ने बोम्मई के इस्तीफे की मांग कर रहे कांग्रेस नेताओं के विरोध पर टिप्पणी करने से इनकार किया। इस बीच, लोकायुक्त सूत्रों ने बताया कि वे मामले के संबंध में चन्नागिरी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक मदल विरुपक्षप्पा को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रहे हैं। उनके पुत्र प्रशांत मदल को निविदा आवंटन के एवज में 40 लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। विधायक विरुपाक्षप्पा को मामले में मुख्य आरोपी बनाया गया है। प्रशांत मदल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस बीच कांग्रेस बोम्मई के इस्तीफे की मांग को लेकर उनके आवास के सामने धरना दे रही है।

सिसोदिया को झटका, जमानत पर 10 मार्च को सुनवाई

सीबीआई ने कहा, जांच में नहीं कर रहे सहयोग

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शनिवार को अदालत में पेश किया। सीबीआई और सिसोदिया की ओर से पेश वकील ने अपने-अपने पक्ष रखें। विशेष जज एमके नागपाल ने केस की सुनवाई की। कोर्ट ने पूरे मामले को सुनकर पूछा कि जांच में सहयोग न करना रिमांड का आधार कैसे? सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब सिसोदिया की जमानत पर 10 मार्च को सुनवाई होगी। वहीं सीबीआई की ओर से 3 दिन की रिमांड पर कोर्ट ने अपना फैसला दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई की दो दिन की हिरासत में भेजा गया है। सीबीआई की ओर से सिसोदिया की तीन दिन की रिमांड मांगी गई। कोर्ट में सीबीआई की तरफ से कहा गया कि सिसोदिया जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। साथ ही आमने-सामने बिठाकर पूछताछ करने की बात कही। कोर्ट से कहा गया कि सिसोदिया एक अभियुक्त की तरह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। जज की तरफ से सीबीआई से केस डायरी मांगी है। सीबीआई ने कहा कि कुछ दस्तावेज जिनका जिक्र अन्य आरोपियों ने अपने बयान में किया वहां दस्तावेज मीसिंग हैं। वहां कह रहे हैं कि ये दस्तावेज सिसोदिया के पास है, जबकि पूर्व डिप्टी सीएम इस पर किसी भी तरह की हामी नहीं भर रहे हैं। इन गुम या गायब हुए दस्तावेज को ट्रेस करने के लिए सिसोदिया से पूछताछ किए जाने की जरूरत है। तभी पता चलेगा। वहीं सिसोदिया की ओर से पेश वकील ने रिमांड का विरोध किया। उनकी ओर से कहा गया कि इन पांच दिनों क्या हासिल किया गया? जब पांच दिनों में कुछ नहीं मिला तब अगले 3 दिनों में क्या मिलेगा? सिसोदिया ने कहा कि उनके पास सीबीआई की तरफ से हासिल करने के लिए कुछ नहीं है। जांच में सहयोग के आरोप निराधार है। सिसोदिया के वकील ने कहा कि सीबीआई हमसे वहीं जवाब हासिल करना चाहती है जो वहां सुनना चाहती है। सिसोदिया को कथित आबकारी घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने अब रद्द की जा चुकी साल 2021-22 की आबकारी नीति बनाने एवं उस लागू करने में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में 26 फरवरी की शाम को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। सीबीआई के अनुसार, गिरफ्तार करने से पहले सिसोदिया से आठ घंटे तक पूछताछ की गई थी, लेकिन उनके जवाब कथित रूप से संतोषजनक नहीं थे। अदालत ने 27 फरवरी को सिसोदिया को सीबीआई हिरासत में भेज दिया था ताकि जांच एजेंसी उपयुक्त एवं निष्पक्ष जांच के लिए ''उनके सामने रखे जाने वाले सवालों का 'वास्तविक एवं वैध' उत्तर प्राप्त कर सके।

दो माह में दो रैलियां, लेकिन पीएम मोदी के खिलाफ विपक्ष का चेहरा कौन नहीं पता

केसीआर और स्टालिन ने ठोंकी अपनी-अपनी ताल

नई दिल्ली । (एजेंसी)

पिछले दो माह में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने 2024 लोकसभा चुनाव के तहत दक्षिण में हुई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विरोधी दो अलग-अलग सभाओं में भाग लिया, लेकिन केंद्रीय नेता को लेकर अब भी असमंजस कायम है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को पूरी तरह स्पष्ट कर अपनी पार्टी का नाम भी बदल दिया है, जबकि तमिलनाडु के सीएम एम के स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि वह पहले से ही राष्ट्रीय परिदृश्य में हैं।

स्टालिन ने एक मार्च को अपने जन्मदिन की रैली में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को हटाने के प्रयासों में कांग्रेस को अहम ताकत बताया, लेकिन तीसरे मोर्चे की संभावनाओं पर भी पानी फेरने की कोशिश की। राव एवं स्टालिन क्षेत्रीय क्षत्रप साबित हुए हैं, जो भाजपा की ताकत का मुकाबला कर सकते हैं, दोनों को ही हाल में शीर्ष राष्ट्रीय नेताओं के साथ देखा गया है।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा 18 जनवरी को खम्मम में हुई बैठक में अगले साल केंद्र में सत्ता परिवर्तन के लिए स्पष्ट आह्वान किया गया, तब स्टालिन के 70वें जन्मदिन पर चेन्नई में आयोजित रैली में विपक्षी एकता पर जोर दिया गया। बीआरएस नीत बैठक में केंद्र में सरकार बदलने की आवश्यकता को लेकर प्रतिबद्धता जाहिर की गई, जबकि चेन्नई में आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी सोच के साझा जुड़ाव को रेखांकित किया और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला जैसे नेताओं ने स्टालिन के बड़ी भूमिका निभाने की वकालत की। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) का साझा सामाजिक दृष्टिकोण है।

वहीं इस पूरे प्रकरण में राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि खम्मम में आयोजित बैठक को तेलंगाना के मुख्यमंत्री की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को पेश करने के लिए उनके शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा गया, लेकिन जनसभा में राजनीतिक दुविधा नजर आई। केसीआर ने न तो बीआरएस के एजेंडे के बारे में कुछ बताया और न ही उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपने राजनीतिक मित्रों के बारे में कोई संकेत दिया। उन्होंने कहा कि केसीआर के कार्यक्रम के लिए आए नेताओं में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के शीर्ष नेता डी राजा शामिल थे, लेकिन उन्होंने भी केसीआर को अपना नेता घोषित नहीं किया। चेन्नई स्थित राजनीतिक पर्यवेक्षक ने कहा कि दोनों समूह 2024 में मोदी को हारते देखना चाहते हैं, लेकिन वे इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि किसे नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने कहा, गठबंधन का नेतृत्व किसे करना चाहिए, इस बात को लेकर विपक्षी दलों में असमंजस की स्थिति है। इस तरह की दुविधा और असहयोग के कारण मोदी अगले साल तीसरी बार अपनी सरकार बना लेने वाले हैं।

आईआरसीटीसी के टूर पैकेज से करें चार धाम की यात्रा

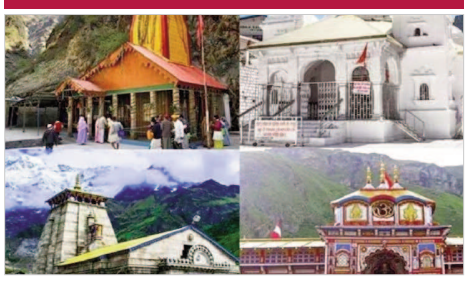

नई दिल्ली । (एजेंसी)

चार धाम की यात्रा करने का प्लान बना रहे श्रद्धालुओं के लिए भारतीय रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) के पास एक खास पैकेज है। आईआरसीटीसी के अनुसार यह यात्रा 11 रातों/12 दिनों में पूरी होगी। इस पैकेज के तहत हरिद्वार यामुनोत्री गंगोत्री केदारनाथ बद्रीनाथ ऋषिकेश को कवर किया जाएगा। इसटूर पैकेज की शुरुआत 21 मई से होगी। आईआरसीटीसी की ओर से बताया गया है कि इस यात्रा की शुरुआत मुंबई एयरपोर्ट से की जाएगी जहां से यात्रियों को पिक किया जाएगा। इसके बाद शेड्यूल के अनुसार मुंबई से दिल्ली और फिर दिल्ली से आपकी यात्रा शुरू हो जाएगी सबसे पहले आप बद्रीनाथ पहुंचेंगे और यहां से फिर बरकोट गंगोत्री गुप्तकाशी हरिद्वार जानकी चट्टी केदारनाथ सोनप्रयाग उत्तरकाशी और यमुनोत्री लेकर जाया जाएगा। आईआरसीटीसी के एयर टूर पैकेज की लागत की बात करें तो तीन लोगों के साथ यात्रा करने पर प्रति व्यक्ति किराया 67000 रुपए होगा जबकि दो लोगों के साथ यात्रा पर प्रति व्यक्ति किराया 69900 रुपये देना होगा। इस पैकेज के किराए में ही यात्रियों के रहने और खाने की सुविधा भी होगी इसके लिए आपको अलग से जांच नहीं देना होगा। पहली यात्रा- 21 मई 2023 से शुरू होकर 1 जून 2023 तक चलेगी दूसरी यात्रा- 28 मई 2023-8 जून 2023 तक तीसरी यात्रा- 4 जून 2023- 15 जून 2023 चौथी यात्रा- 11 जून 2023-22 जून 2023 पांचवी यात्रा 18 जून 2023- 29 जून 2023 छठी यात्रा 25 जून 2023-6 जुलाई 2023 तक चलेगी। यात्री अपनी सहूलियत के अनुसार निर्धारित तिथि पर यात्रा कर सकते हैं।

प्राणघातक हमला में घायल होनहार युवक ने ईलाज के दौरान तोडा दम

बरहज, देवरिया । आखिरकार आईसीयू के वेंटिलेटर पर जिंदगी का जंग हार गया अखिलेश ड्ड 22 फरवरी को सायं 6 बजे पडोसी दुकानदार राजकुमार ने अपने पुत्रों के साथ प्री-प्लान करके अखिलेश के ऊपर प्राणघातक हमला कर अधमरा कर दिया था ड्ड अखिलेश सिर में वार इतना गंभीर, गहरा और मजबूत था कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहज से जिला चिकित्सालय देवरिया फिर मेडिकल कालेज गोरखपुर के लिए चिकित्सकों ने रेफर कर दिया था, परन्तु मेडिकल कालेज में पर्याप्त ईलाज और वेंटिलेटर खाली नहीं होने के चलते परिजनों ने अखिलेश को सीटी हॉस्पिटल गोरखपुर में भर्ती कराया, जहाँ अखिलेश के क्षतिग्रस्त सिर का आपरेशन हुआ और ईलाज चल रहा था ड्ड ईलाज के दौरान ही अखिलेश की 2 मार्च को रात्रि 7ः45 बजे मृत्यु हो गई ।

अखिलेश जायसवाल काफी कुशाग्र बुद्धि का था ड्ड एलएलबी, एलएलएम और डीएलएड की पढाई की थी । अखिलेश जज बनकर पीड़ितों तो उचित न्याय देना चाहता था, जिसके परिपेक्ष्य में उसने विगत 12 फरवरी को यूपी न्यायिक सेवा सिविल जज की परीक्षा दिया था ड्ड वह भाई अमित जायसवाल के पास कपड़े की दुकान में हाथ बंटाता था ड्ड उसे क्या पता था कि दुकान पर ग्राहक के आने की छोटी सी बात को लेकर पडोसी दुकानदार जानलेवा हमला करके उसे मौत के घाट उतार देंगे ड्ड घटना के दिन सुबह ही अखिलेश देवरिया ब्याही अपनी बहन अनुराधा के यहाँ से आया हुआ था, अभी अपने घर भी नहीं गया था कि सुबह 10 बजे पडोसी दुकानदार ने अपने पुत्रों के साथ उसे मारपीट दिया था ड्ड मारपीट की घटना को लेकर अखिलेश ने बरहज पुलिस को तहरीर दिया था, जिसमें पुलिस ने दोपहर बाद थाने पर समझौता करा दिया था, बावजूद पडोसी दुकानदार राजकुमार ने अपने पुत्रों व अन्य दो सहयोगियों के साथ प्री-प्लान कर धारदार हथियारों से लैश होकर अखिलेश पर प्राणघातक हमला कर दिया था ड्ड तीन भाई एक बहन में अखिलेश सबसे छोटा था, शादी के लिए आए दिन रिश्ते भी आ रहे थे, लेकिन अखिलेश यह कहते हुए मना कर देता था कि हमें अभी अधिकारी बनना है ड्ड दुसरे नंबर के बड़े भाई अर्जुन जायसवाल सेल टैक्स

व जीएसटी अधिवक्ता हैं, जो अपने दिल को पत्थर करके पोस्टमार्टम व पुलिसिया कार्यों में जुटे रहें ड्ड जैसे ही मृतक अखिलेश का शव उनके घर पहुंचा कोहराम मच गया ड्ड माता उषा देवी, पिता दयानन्द और बहन अनुराधा और परिजन दहाड़ मारकर रो पड़े और उनके शव से लिपट गए। जब शमशान घाट ले जाने के लिए उनके शव को शैया पर लिटाया गया तो माता और बहन हो गई । सभी के आंखों में आंसू थे । पूरा मोहल्ला गमगीन था। कुछ ऐसा ही हाल उनके करीबी व मोहल्लेवासियों का भी था । सभी के जुबान से एक ही बात निकल रही थी कि इस मिलनसार और होनहार अखिलेश ने किसी का क्या बिगड़ा था, जो इसकी हत्या कर दी गई ।

74 रुपये के शेयर ने करा दी बिग बी को बंपर कमाई, 5 साल में 5 गुना रिटर्न

मुंबई । (एजेंसी)

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन एक छोटी कंपनी के शेयर में दांव लगाकर बंपर कमाई कर रहे हैं। उनके पोर्टफोलियो में शामिल एक छोटी कंपनी के शेयर ने बीते 5 साल में 5 गुना रिटर्न दिया है। दरअसल, साल 2017 में वायरिंग कंपनी डीपी वायर्स का आईपीओ आया था। तब अमिताभ ने इस आईपीओ में दांव लगाया था। अमिताभ के पास वर्तमान में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में लिस्टेड डीपी वायर्स के 3,32,800 शेयर या 2.45 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी का आईपीओ आने के बाद बिग बी ने इसके शेयरों में निवेश किया था। बिग बी के पास कंपनी के शेयर सितंबर 2018 से ही हैं।

डीपी वायर्स के शेयर प्राइस में 4.87 गुना का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 3 सितंबर 2018 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 74 रुपये पर था। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते कारोबारी दिन यानी 3 मार्च 2023 को कंपनी के शेयर 359.85 रुपये के स्तर पर पहुंच गए हैं। इसके साथ कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 488.92 करोड़ रुपये पहुंच गया है। सितंबर 2018 में यह 100.40 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

करीब पांच गुना रिटर्न देकर इस स्मॉलकैप शेयर ने बिग-बी को जोरदार कमाई कराई है। बीते एक साल में शेयर ने लगभग 20 फीसदी का रिटर्न दिया है। बिग बी ने जब इन शेयरों में निवेश किया था, तब उनका निवेश मूल्य करीब 2.5 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर करीब 12 करोड़ रुपये हो गया है।

बहन ने सात वर्षीय भाई को सिगरेट से दागा

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के नेब सराय में एक सात वर्षीय बच्चे को सिगरेट से जलाने का मामला का मामला सामने आया है। बच्चा नेब सराय स्थित द कैंब्रिज इंटरनेशनल स्कूल में दूसरी कक्षा का छात्र है। घटना की शिकायत किए जाने पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। हैरान करने वाली बात यह है कि ऐसा करने वाली उसकी बुआ की बेटी यानी कि बहन ही है। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया है कि, मासूम अपने ननिहाल में रहता है और करीब तीन महीने पहले सैनिक फार्म स्थित अपने पिता के घर गया था। वहां उसकी बुआ की बेटी ने उसके गाल को सिगरेट से जला दिया। इतना ही नहीं, युवती ने बच्चे से इस बात का जिक्र न करने को भी कहा। बीते 25 फरवरी को उसकी मामी उसे वापस ननिहाल ले आई। इसके बाद 27 फरवरी को बच्चे ने ट्यूशन पढ़ाने वाली मैडम को इस बारे में बता दिया। घटना के सामने आने के बाद पुलिस को इस बारे में शिकायत दी गई, जिसके बाद 1 मार्च को पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़ित बच्चे के परिवार में कानूनी विवाद चल रहा है। बच्चे के माता-पिता के बीच यह विवाद फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है। बच्चे के पिता का घर सैनिक फॉर्म में हैं जहां बच्चा रह रहा था। इस घटना के बाद बच्चे के परिजन काफी सदमे में हैं।

गाजियाबाद में कान में लीड लगाना युवक को पड़ा महंगा, ट्रेन की चपेट में आकर हुई मौत

गाजियाबाद। थाना सिहानी गेट इलाके में रेलवे लाइन पार करते वक्त एक युवक को कान में लीड लगा ना उस वक्त महंगा पड़ गया।जब वह कान में मोबाइल की लीड लगाकर गाने सुन रहा था।अचानक ही तेज रफ्तार ट्रेन आई और वह उसकी चपेट में आ गया।जिसकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जिस वक्त ट्रेन आ रही थी तो अन्य लोगों ने भी उसे रेलवे ट्रैक से हटने के लिए आवाज लगाई। लेकिन कान में लीड लगे होने के कारण उसे किसी की आवाज सुनाई नहीं दी और इसी बीच ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार थाना सिहानी गेट इलाके में रेलवे लाइन को एक युवक पार कर रहा था।युवक ने अपने कानों में मोबाइल फोन की लीड लगाई हुई थी। अचानक ही तेज रफ्तार ट्रेन आई और वह उसकी चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आनन-फानन में इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और युवक की पहचान करने में जुट गई।

इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया कि थाना सिहानी गेट पुलिस को इस तरह की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आधार पर तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसटीएफ की टीम ने पीएफआई कार्यालय सचिव कमाल केपी को किया गिरफ्तार

नोएडा। यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के कार्यालय सचिव कमाल केपी को केरल से गिरफ्तार कर लिया। कमाल पर हाथरस दंगा भड़काने का आरोप है। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था। कमाल के 4 साथी पहले गिरफ्तार हो चुके हैं। हाथरस हिंसा को भड़काने के मामले में मथुरा टोल से मुजफ्फरनगर निवासी अतीकउर रहमान, रामपुर निवासी आलम,केरल निवासी सिद्दीकी कप्पन और बहराइच निवासी मसूद को गिरफ्तार किया गया था। तब से केरल निवासी कमाल वांछित चल रहा था।मामले की जांच क्योंकि नोएडा यूनिट कर रही थी।नोएडा पुलिस के अपर पुलिस अधीक्षक आरके मिश्रा ने बताया कि कमाल के पी की गिरफ्तारी के प्रयास कई दिन से किए जा रहे थे, नोएडा एसटीएफ ने केरल के मलपुरम से कमाल को गिरफ्तार कर लिया है। कमाल पीएफआई के शीर्षस्थ पदों में से एक पर नियुक्त किया गया था।

एसटीएफ की टीम ने पीएफआई कार्यालय सचिव कमाल केपी को किया गिरफ्तार

नोएडा। दनकौर क्षेत्र में सुपरटेक अप कंट्री में एक युवती ने आठवीं मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि युवती अपने प्रेमी से मिलने पहुंची थी लेकिन वहां पिता के आ जाने के बाद टावर से कूदकर जान दे दी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है।पुलिस का कहना है कि लिखित शिकायत मिलने के बाद जांच की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, मथुरा निवासी एक परिवार विगत काफी वर्षों से ग्रेटर नोएडा में रहकर मजदूरी करता है। परिवार की एक 20 वर्षीय युवती का दनकौर स्थित सुपरटेक अप कंट्री में मजदूरी करने वाले एक युवक से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था परिवार के लोगों को चकमा देकर युवती शुक्रवार को अपने प्रेमी से मिलने पहुंची थी। मामले की जानकारी होने के बाद युवती का पिता भी सुपरटेक अप कंट्री में पहुंच गया। पिता को वहां देखकर युवती वहां बन रहे टावर की आठवीं मंजिल पर चढ़ गई और नीचे छलांग लगा दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने एलएनजेपी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री राजकुमार आनंद ने लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों और ओपीडी का दौरा किया और यहां इलाज करा रहे मरीजों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी के साथ अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर भी पूछा। स्वास्थ्य मंत्री ने स्टाफ को निर्देश दिया कि इलाज के लिए आने वाले लोगों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मिले यह सुनिश्चित करें। साथ ही अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था को और बेहतर करने को कहा।

दवा काउंटर पर भीड़भाड़ मैनेज करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था के दिए निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री ने निशुल्क दवा काउंटर पर मरीजों और उनके परिजनों से व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से किए जा रहे दावों की हकीकत जानी। साथ ही दवा काउंटर पर भीड़भाड़ को

मैनेज करने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था कराने के निर्देश दिए, ताकि अस्पताल में आए लोगों को दवा लेने के लिए ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के लिए स्वास्थ्य प्राथमिकता का क्षेत्र है। इसलिए लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मरीजों के लिए बनने वाले खाने की गुणवत्ता को खुद चख कर परखा

इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता परखने के लिए खुद वहीं भोजन खाया। उन्होंने कहा कि मरीजों की सेवा भगवान की सेवा है। मरीजों के साथ मधुरता से व्यवहार किया जाए तो आधा रोग तो वैसे ही दूर हो जाता है, उनके साथ सेवाभाव से व्यवहार किया जाना आवश्यक है। अस्पताल में मरीजों को मिलने वाले आहार में क्वालिटी से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

लोगों को बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं देना दिल्ली सरकार का मकसद

आनंद ने कहा कि केजरीवाल सरकार का उद्देश्य दिल्ली के हर सरकारी अस्पताल को केवल प्राइवेट अस्पतालों से बेहतर बनाना भर नहीं है, बल्कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों को पूरे देश में सबसे बेहतरीन अस्पतालों में से एक बनाना भी है। दिल्ली के नागरिक विश्वस्तरीय सुविधाओं के हकदार हैं और हम इसे हकीकत में बदल रहे है। हम दिल्ली के सभी नागरिकों को बेहतरीन और समान स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने के सिद्धांत पर काम कर रहे हैं।

दिल्ली के खान मार्केट इलाके में डीटीसी की बस कब्रिस्तान में घुसी

नई दिल्ली। दिल्ली के खान मार्केट इलाके में शनिवार को डीटीसी क्लस्टर की एक बस दीवार तोड़कर कब्रिस्तान में जा घुसी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह करीब 6 बजे

हुई और वाहन के अंदर बस के ड्राइवर और कंडक्टर थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, बस में ड्राइवर और कंडक्टर के अलावा कोई सवार नहीं था। बस को हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। अधिकारी ने कहा, संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

दिल्ली सरकार का डीटीसी कर्मचारियों को होली का तोहफा

216 चालकों और कंडक्टर्स को पदोन्नत कर बनाया सहायक यातायात निरीक्षक

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने होली का तोहफा देते हुए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के तहत 216 ड्राइवरों और कंडक्टरों को सहायक यातायात निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया है। इस कदम का उद्देश्य शहर भर में विभिन्न बस मार्गों पर तैनात यातायात निरीक्षकों की संख्या को बढ़ाना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोग वैध टिकट और वैध बस पास के साथ यात्रा करें। इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, 'मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में कर्मचारियों के कल्याण को अत्यधिक महत्व दिया गया है। मैं सभी 216 चालकों और परिचालकों को सहायक यातायात निरीक्षक के पद पर पदोन्नति पर बधाई देता हूं। मैं चाहता हूं कि इस नई भूमिका में वे नए उत्साह के साथ काम करें और शहर में बस संचालन को और सुचारू रूप से चलाने में मदद करें।

यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक बस यात्री वैध टिकट या बस पास के साथ यात्रा करना सुनिश्चित

करे और जो लोग नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं उनकी इस टीम द्वारा लगातार निगरानी की जाएगी। पिछले कुछ महीनों में, हमने देखा है कि दिल्ली में बसों की औसत दैनिक सवारियों की संख्या 40 लाख तक पहुंच गई है । यह कदम केजरीवाल सरकार की डीटीसी कर्मचारियों के कल्याण को सुनिश्चित करने और दिल्ली के लोगों को बेहतर परिवहन सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।' कुल 193 ड्राइवरों और 23 कंडक्टरों को पदोन्नत किया गया है। अब वे दिल्ली में बस संचालन को सुचारू रूप से चलाने के लिए डीटीसी के साथ मिलकर काम करेंगे। बेड़े में और अधिक बसें शामिल होने के साथ, सरकार सभी यात्रियों के लिए यात्रा को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रही है।

डेढ एकड़ जमीन पर बसी बस्ती में भीषण आग लगी, 8 झुलसे

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सुल्तानपुरी स्थित पुठ कलां इलाके में बीती रात डेढ़ एकड़ में फैली झुग्गी बस्ती में बीती देर रात अचानक आग लग गई। हादसे में आठ लोग मामूली रूप से झुलस गए। वहीं तीन से चार मवेशियों की आग की चपेट में आने से मौत हो गई। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर घंटों की मशक्कत के बाद काबू पाया।

आग पर काबू करने के लिये पुलिस ने रॉबर्ट का भी इस्तेमाल किया। जिसकी सहायता से आग पर जल्दी काबू करने में काफी सहायता मिली। शुक्रवार देर शाम तक कूलिंग काम जारी था। वहीं पुलिस मामला दर्ज कर आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पुलिस अधिकारियों व दमकल विभाग ने बताया कि झुलसे लोगों की पहचान. सूरजमल,कपूर, सागर,पप्पू बबलू,कवर सिंह,राज सिंह,चांद के रूप में हुई है। डॉक्टरों ने सभी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस कंट्रोल रूम को रात 12 बजकर 13 मिनट पर सूचना मिली कि सुल्तानपुरी वाली गली,आगरा पेठा, पुठ कलां कि झुग्गीबस्ती में आग लगी है। पुलिस जब मौके पर पहुंची, आसपास के लोगों ने छत पर से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। आग में कई सिलेंडर

ब्लास्टर होने पर आग काफी तेजी से फैली। लोग अपनी जान बचाने के लिए एक ही छोटे और कम चौड़े रास्ते से भागकर अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहे थे। दमकल की 21 गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर तड़के चार बजकर 19 मिनट पर आग पर पूरी तरह से काबू पाया। डिवीजन फायर ऑफिसर ए.के. जेसवाल ने बताया कि आने जाने का एक ही रास्ता होने के कारण गाडियों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। आग पर चारों तरफ से पानी डालकर आग बुझाई गई। अंदर नहीं जाने पर रॉबर्ट का भी सहारा लेना पड़ा था। सर्च ऑपरेशन में काफी जला हुआ सामान बरामद हुआ। जिसमें घरेलू सामान ज्यादा है। आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि 2016 में भी यहीं पर आग लगी थी। इस जमीन पर कबाड़ आदि का काम करने वाले कारोबारियों ने इनको जमीन किराये पर दिलवा रखी है। कुछ परिवार अपना ही काम कबाड़ का काम करते हैं।

महिलाओं को सशक्तिकरण की ज़रूरत नहीं, उनके भीतर ही दैवीय शक्ति हैः साध्वी भगवती

नई दिल्ली। महिलाओं को सशक्तिकरण की ज़रूरत नहीं है। हमारे भीतर दैवीय शक्ति है, हमें सशक्तिकरण, समानता आदि किसी से मांगने की ज़रूरत नहीं है । हमें आत्म परिचय की ज़रूरत है। इस पहचान को शरीर, शरीर का आकार, त्वचा के रंग से नहीं बल्कि अपने मन और हृदय की अंतर्यात्रा करके पहचानना है। ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन की साध्वी भगवती सरस्वती ने आज यहां इस आशय के विचार व्यक्त किए। वह उद्यमी और उद्योगपति महिलाओं की संस्था फिक्की फ्लो (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के फिक्की लेड़ीज़ ऑर्गेनाईज़ेशन) को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा

कि हमारी दादी और मां के ज़माने में महिलाओं की पहचान के पैमाने अलग थे जबकि अब हमारी पीढ़ी की महिलाएं उनकी बेटियां और नातिनें और विशेषकर महानगरों और अति उच्च वर्ग में अपनी पहचान शरीर आकार रंग, कपड़ों, सौंदर्य और सफलता और अन्य बाहरी तत्वों से करने लगी हैं । जबकि हमारी पहचान बाहरी नहीं भीतरी तत्वों से ज्यादा है, इसलिए आत्म पहचान ज़रूरी है । साध्वी भगवती दिल्ली में फिक्की फ्लो के प्रेरणादायी महिलाओं की अनससुनी कहानियां कार्यक्रम में अपने जीवन के उन पहलुओं के बारे में बता रही थीं, जो ज्यादातर लोगों को नहीं मालूम है। साध्वी भगवती ने बताया कि कैसे एक समृद्ध अमेरिकी यहूदी परिवार की उच्च शिक्षित विवाहित युवती भारत यात्रा पर आयी और कैसे ऋषिकेश में गंगा जी के दर्शन करने के बाद उनका पूरा जीवन बदल गया। गंगा जी में डुबकी लगाने के बाद उनको अपने भीतर दैवीय शक्ति का संचार अनुभव हुआ और उनको लगा कि उनका जन्म यहीं रहने के लिए हुआ है। इसके बाद चमत्कार के बाद चमत्कार होते गए। चमत्कार भगवान की कृपा से होते हैं। पहले साधना फिर वैराग्य और फिर संन्यास। उन्होंने कहा कि ये सब अंतर्यात्रा के कारण हैं।

चार पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के नरेला थाने में तैनात चार पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर लापरवाही बरतने के मामले में लाईन हाजिर कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दे दिये गए हैं। लाईन हाजिर पुलिस वालों में एक एएसआई भी शामिल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ समय से पुलिस वालों के खिलाफ पब्लिक से लिखित में शिकायतें मिल रही थी। जिनको इसको लेकर अवगत भी कराया गया था। लेकिन मामले को गंभीरता से नहीं लेने और शिकायतकर्ताओं को बार बार परेशानी होने के बाद चारों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनको लाईन हाजिर कर दिया गया है।

सात एमजीडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में राइजिंग मेन बिछाने के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री कैलाश गहलोत ने सोनिया विहार में सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण (आई एंड एफसी) तालाब से सात एमजीडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) तक 700 मिमी व्यास वाली राइजिंग मेन बिछाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

जल मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, यह निर्णय यमुना नदी को स्वच्छ बनाकर दिल्ली के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में काफी मददगार साबित होगा। यह जलीय जीवन और पर्यावरण के संरक्षण में भी योगदान देगा।

गहलोत ने कहा कि सोनिया विहार में सात एमजीडी एसटीपी के निर्माण का कार्य प्रगति पर है और सितंबर 2023 में इसके पूरा होने की

संभावना है। सोनिया विहार ग्रुप ऑफ कॉलोनियों (जीओसी) में सीवर लाइन बिछाने का काम निविदा चरण में है और उम्मीद है कि सीवर लाइन डालने का काम 15 माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इसलिए सीवर लाइन बिछाने का काम पूरा होने तक एसटीपी को चालू करने के लिए और यमुना नदी के प्रदूषण को कम करने के लिए आई एंड एफसी तालाब से अनुपचारित पानी को सोनिया विहार एसटीपी में ट्रैप करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

गहलोत ने विस्तृत चर्चा के बाद केजरीवाल सरकार की यमुना की सफाई की प्राथमिकता को देखते हुए इस योजना को मंजूरी दी है ।

3.5 करोड़ रुपये का अनुमान मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया था।जल मंत्री कैलाश गहलोत ने निर्माणाधीन सोनिया विहार एसटीपी की कार्य-प्रगति की भी समीक्षा की। इस वर्ष की तीसरी तिमाही तक इसके पूरा होने की उम्मीद है।

नोएडा में पॉलिसी लोन दिलाने के नाम पर लोगों के साथ ठगी, गैंग लीडर सलोनी जैन समेत 6 गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-1 नोएडा पुलिस ने लेप्स हुई पॉलिसी को कैन्सिल कराकर ब्याज सहित पूरा पैसा दिलाने के नाम पर व पॉलिसी पर सस्ती ब्याज दरों पर लोन दिलाने के नाम पर लोगों के साथ ठगी करने वाले मुख्य अभियुक्ता 1.सलोनी जैन 2.दिवाकर शर्मा 3.नजफ मेंहदी, 4.विनोद शर्मा, 5.दीपक झा, 6.विपिन कुमार को कम्पनी ए-7, प्रथम तल, सेक्टर-10, नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से 1 स्मार्ट फोन, 5 की-पैड फोन व कालिंग डाटा बरामद किया गया है। आरोपियों में सलोनी जैन इस गैंग के मुख्य

सरगना के रूप में काम कर रही थी। सलोनी जैन पहले एक इंश्योरेंस कंपनी में काम करती थी। उसी कंपनी से वह लोगों के नाम और उनके पॉलिसी की डेटाशीट लेकर इस गैंग के साथ धोखाधड़ी करती थी। अभियुक्तों द्वारा जनता के व्यक्तियों को कॉल करके उनकी लेप्स हुई पॉलिसी को केन्सिल कराकर ब्याज सहित पूरा पैसा दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी कर उनसे फाईल चार्ज व अन्य खर्चे के नाम पर उनसे पैसे ले लेते थे व पॉलिसी पर सस्ती ब्याज दरो पर लोन दिलाने के नाम पर भी लोगो से पैसा हड़प लेते थे।अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि मुख्य अभियुक्ता सलोनी जैन पूर्व में इन्स्योरेन्स कम्पनी में नौकरी करती थी। जहां से यह पॉलिसी धारको का डाटा ले आयी और उसी लिस्ट में से पॉलिसी धारको को कॉल करके धोखाधड़ी करते हैं।

नोएडा में होली के बाद सक्रिय होगी मलेरिया विभाग की टीम, करेगी निरीक्षण

नोएडा। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी वैसे-वैसे मच्छरों भी पनपेंगे। जिला मलेरिया विभाग की सलाह है कि अभी से मच्छरों को पनपने से रोकेंगे तब जाकर मच्छर जनित बीमारियों पर काबू पाया जा सकेगा। जिला मलेरिया अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया- विभाग होली के बाद एक्शन मोड में आ जाएगा। वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल एक्ट 2015 के क्रियान्वयन के लिए विभाग की टीम जगह-जगह निरीक्षण करेंगी। जिन परिसरों में मच्छरों का प्रजनन (लार्वा), अनावश्यक जलभराव पाया जाएगा तो संबंधित को नोटिस जारी किया जाएगा। और यदि स्थिति की पुनरावृत्ति होती है तो अर्थदंड भी लगाया जाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया- मच्छरों की रोकथाम के लिए विभाग तो प्रयास कर ही रहा है, इसमें लोगों का भी सहयोग जरूरी है। उन्होंने अपील की है कि अभी से यदि मच्छरों के पनपने पर काबू किया जाए तो काफी हद तक मच्छर जनित बीमारियों- डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि पर काबू पाया जा सकेगा। उन्होंने बताया- वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल एक्ट 2015 के क्रियान्वयन के लिए विभाग की टीम सरकारी- निजी कार्यालयों, चिकित्सालयों, स्कूलों, आवासीय सोसायटी का होली के बाद निरीक्षण शुरू कर देंगी। इस दौरान लोगों को मच्छरों के प्रजनन रोकने के लिए जागरूक किया जाएगा। मच्छरों के प्रजनन स्थल, अनावश्यक जलभराव पाये जाने की स्थिति में संबंधित को नोटिस जारी किया जाएगा। यदि नोटिस के बाद भी दोबारा वही हालत मिलती है तो

निर्धारित दरों पर अर्थदंड भी लगाया जाएगा। विभाग की ओर से प्रति साइट अर्थ दंड निर्धारित है। जिला मलेरिया अधिकारी राजेश शर्मा ने बताया- एडीज इजिप्टी नामक मच्छर के काटने से डेंगू फैलता है। एडीज इजिप्टी रुके हुए और बहुत साफ पानी में पैदा होता है। मादा मच्छर केवल दस मिली लीटर रुके हुए साफ पानी में अंडे दे सकती है। इसलिए इस बात का भी ध्यान रखना जरूरी है कि घर में किसी भी पात्र यहां तक कि कटोरी में भी कई दिन तक पानी इकट्ठा न रहने पाए। उन्होंने बताया अगस्त माह से मुख्य रूप से डेंगू का संचरण काल शुरू हो जाता है। लेकिन गर्मी शुरू होने और कूलर एसी चलने पर डेंगू मच्छरों के पनपने की आशंका पैदा हो जाती है। इस बार गर्मी जल्दी शुरू हो गयी है। गड्ढों और कूलर आदि में जमा साफ व रुके हुए पानी में ही डेंगू फैलाने वाला मच्छर पनपता है। यह मच्छर दिन में काटता है। डेंगू से बचाव के लिए बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने बताया डेंगू का लार्वा कई महीने तक बिना पानी के भी जीवित रह सकता है। गर्मी के अंत में यदि कूलर को रेगमाल से बिना साफ किये या रंग रोगन किये बिना रख दिया है तो अगली बार इस्तेमाल करने पर डेंगू के लार्वा के जीवित होने की संभावना बनी रहती है। पानी के सम्पर्क में आते ही यह पुनः सक्रिय हो जाता है। मच्छर पनपने का कूलर भी एक बड़ा स्रोत है। डेंगू से बचाव के लिए ध्यान रखने वाली कुछ खास बात 1. कूलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी के बर्तन, फ्रिज की ट्रे, फूलदान, नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन, टायर आदि में पानी को जमा न होने दें। 2. पानी से भरे हुए बर्तनों व टंकियों आदि को हमेशा ढक कर ही रखें। 3. कुछ समय के अंतराल पर कूलर को खाली करके अच्छी तरह से सुखा लें और उसके बाद ही पुनः प्रयोग में लाएं। 4. यह मच्छर दिन में काटता है इसलिए दिन में भी ऐसे कपड़े पहनें जो शरीर को पूरी तरह ढकें और विशेषकर बच्चों का अत्याधिक ध्यान रखें। 5. खिड़कियों पर मच्छर रोधी जाली लगाएं और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग अवश्य करें।

दिल्ली के चांदनी चौक से चोरों ने बैग से उड़ाए 40 लाख, पुलिस ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली स्थित चांदनी चौक इलाके में चोरों ने 40 लाख रुपये की नकदी पर हाथ साफ कर दिया है। पुलिस ने शनिवार को घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चांदनी चौक इलाके में एक व्यक्ति से कथित तौर पर करीब 40 लाख रुपये की नकदी चोरी हो गई।अधिकारियों ने कहा कि शिकायतकर्ता, 39 वर्षीय उमेश कुमार जो कि हरियाणा के सोनीपत निवासी राहुल के यहां काम करता है। उसने शुक्रवार को चांदनी चौक में एक व्यक्ति से एक निर्माण कार्य के लिए पैसे इकट्ठे किए और उन्हें नॉर्थ एवेन्यू में राहुल को देने जा रहा था। हालांकि, जब उमेश लाल किला चौक पहुंचा तो उसको बैग काफी हल्का महसूस हुआ और इसके बाद कुछ संदिग्ध लगा। चेक करने पर उसने पाया कि बैग में रखे 40 लाख रुपये नहीं हैं।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

इसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई कि कुछ अज्ञात लोगों ने उनके बैग से नकदी चुरा ली है। उनकी शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कहा, हम मामले की आगे जांच कर रहे हैं।

संपादकीय

इन्सान की आदत

भौतिक चकाचौंध की इस दौड़ में मानव जो साथ में नहीं जाता साथ उसके पीछे तो भागता है अपनी आदत से लेकिन जो साथ में जाता है उसके पीछे उसकी दौड़ नहीं लगती है । यह सच है कि आदतें बदलना आसान नहीं है पर जो आदत न बदल सके वो इंसान नहीं है । हम अक्सर दूसरों में कमिया देखते हैं लेकिन जिस के काम में कुछ गलत लगें तों हमें बिना प्रचारित किये स्वंय उन्हें जताना चाहिये । और हमें अगर सभी में दोष लगें तो हमें दूसरों को गलत साबित करने की अपेक्षा अपने स्वयं में बदलाव लाने का प्रयत्न करें । सबसे अधिक ज्ञानी वही है जो अपनी कमियों को समझकर उनका सुधार कर सकता हो ।अत:बदलाव ही जीवन का सार है । जहाँ बदलाव नहीं वहां जीवन नहीं । यदि किसी के मन में सीखने की लगन ना हो तो कोई भी उसे नहीं सिखा सकता क्योंकि फूंक मारकर आप उस ढेर को तो जला सकते है जिसमें चिंगारी हो पर राख के ढेर मे फूंक मारकर आप रोशनी की आशा नहीं कर सकते। आदत में हम अगर बदलाव करेंगे तो वह स्वभाव और व्यक्तित्व को बदलने का सही सोपान है ।साधना के प्रासाद पर आरोहण करने का साधन भी है ।चिंतन और व्यवहार में गंभीरता लाने का संजीवनी बुटी है । जीवन को सात्त्विक और सुसंस्कारी बनाने के लिए । स्वाध्याय ध्यान आदि की अग्नि में तपकर ही आत्मा रूपी स्वर्ण निखरता है ।शरीर निर्वाह के लिए जैसे भोजन है जरुरी वैसे ही जीवन के लिए स्वाध्याय आदि जरुरी है । भगवन महावीर ने निर्जरा के 12 भेदों में सबसे महत्त्वपूर्ण स्वाध्याय को बतलाया है । मैंने सोचा गंभीरता से सोचा तो पाया कि स्वाध्याय से भावों की श्रेणी का आरोहण ऐसा होता है कि अगर हो द्वार खुला अभी मोक्ष नगर का तो हम भव भरमन का पार पा जाएँ ।पर संतुष्ट बने इसीमें कि भव सीमा तो कर पाएंगे । बढ़ते - बढ़ते एक दिन सिद्धि सदन अवश्य पहुँच जायेंगे ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

वैश्विक प्रतिद्वंद्विता से सुलगता रूस-यक्रेन युद्ध

मध्य एशिया में रूस के साथ इनके ऐतिहासिक संबंध काफी महत्व रखते हैं। रूस के पश्चिमी दिशा के पड़ोसी देशों के लिए समृद्ध पश्चिमी देश जैसे कि फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे और फिनलैंड के साथ सहयोग करके ज्यादा फायदा हुआ है। रूस के लिए, पूर्व सोवियत संघ से घटक रहे पूरबी यूरोपियन गणतंत्र यदि फ्रांस और जर्मनी समेत अपने पश्चिमी यूरोपियन पड़ोसियों से निकट संबंध बनाते हैं, तो इस पर आपत्ति करने की कोई वजह नहीं थी। लेकिन चिंतित होना तब स्वाभाविक बन गया जब एकदम सटे देश अमेरिका और नाटो संगठन से सैन्य गठबंधन करने लगे। नाटो में अमेरिका की भूमिका का मुख्य निशाना रूस की घेराबंदी और उसे सीमित करना माना जाता है। हर कोई जानता है है कि यूरोप में बने हालिया तनाव का पूरा तानाबाना तब बना जब यूक्रेन के युवा किंतु अपेक्षाकृत कम अनुभवी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन अचानक पींगें बढ़ाने लगे।

जी. पार्थसारथी

पूर्व रूसी राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव के अयोग्य और भ्रमित नेतृत्व के चलते 26 दिसम्बर, 1991 को सोवियत संघ का विघटन हो गया। रूस के घटक रहे 16 सोवियत गणतंत्र पूर्ण स्वतंत्रता पाकर अलग हो गए। इस टूटन का रोचक पहलू यह रहा कि लगभग सभी पूर्व घटकों में बड़ी संख्या में बसे रूसी मूल के लोग इस अलहदगी के बाद भी अपनी जगह बने रहे। आज भी हजारों रूसी उन इलाकों में रह रहे हैं और वहां पर ज्यादातर रूसी बोली जाती है। पूर्व सोवियत संघ से जुड़े इन गणराज्यों के अपने पड़ोसी मुल्कों के साथ आपसी संबंध और प्रगाढ़ होते गए तो रूस के साथ भी रिश्ते मधुर बने रहे। रोचक यह भी है कि मुस्लिम बहुल पूर्व सोवियत घटक गणराज्य जैसे कि कजाखस्तान, किर्गीज़स्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान इत्यादि आज शंघाई संगठन के सदस्य हैं, तो अज़रबैज़ान वार्ता-सहयोगी देश है। मध्य एशिया में रूस के साथ इनके ऐतिहासिक संबंध काफी महत्व रखते हैं। रूस के पश्चिमी दिशा के पड़ोसी देशों के लिए समृद्ध पश्चिमी देश जैसे कि फ्रांस, जर्मनी, नॉर्वे और फिनलैंड के साथ सहयोग करके ज्यादा फायदा हुआ है। रूस के लिए, पूर्व सोवियत संघ से घटक रहे पूरबी यूरोपियन गणतंत्र यदि फ्रांस और जर्मनी समेत अपने पश्चिमी यूरोपियन पड़ोसियों से निकट संबंध बनाते हैं, तो इस पर आपत्ति करने की कोई वजह नहीं थी। लेकिन चिंतित होना तब स्वाभाविक बन गया जब एकदम सटे देश अमेरिका और नाटो संगठन से सैन्य गठबंधन करने लगे। नाटो में अमेरिका की भूमिका का मुख्य निशाना रूस की घेराबंदी और उसे सीमित करना माना जाता है। हर कोई जानता है है कि यूरोप में बने हालिया तनाव का पूरा तानाबाना तब बना जब यूक्रेन के युवा किंतु अपेक्षाकृत कम अनुभवी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन अचानक पींगें बढ़ाने लगे। पिछले कुछ सालों से यूक्रेन ने अमेरिका के साथ निकट सैन्य रिश्ते बनाए हैं। नतीजतन, यूक्रेन को परिष्कृत हथियार मिले हैं जिसके बूते पर वह रूस के थलीय एवं जलीय सुरक्षा हितों को सैन्य चुनौती देने लायक खुद को समझने लगा। वह अपने दक्षिणी तटों पर संपूर्ण इलाकाई सार्वभौमिकता बनाने वाली महत्वाकांक्षा पूरी करना चाहता है। रूस और यूक्रेन के बीच मुख्य इलाकाई विवाद क्रीमिया प्रायद्वीप को लेकर जारी है। क्रीमिया पर रूस के काला सागर नौसेना बेड़े का नियंत्रण 1783 से कायम है। दो शताब्दियों से अधिक समय से यह इलाका रिवायती तौर पर यूक्रेन की सार्वभौमिकता के तहत न होकर रूस के अंतर्गत रहा है। बेशक रूस चाहता है कि ओडेस्सा बंदरगाह तक भी उसकी पहुंच पहले जैसी निर्बाध बनी रहती, परंतु वह इस प्रयास में सफल नहीं रहा। यदि काला सागर के तट का इस्तेमाल दोनों मुल्क मिलकर करें तो यह ज्यादा समझदारी होती, क्योंकि दोनों के नौवहनीय व्यापारिक हित एक समान जुड़े हुए हैं। यह बात रूस और यूक्रेन से पश्चिम एशिया और अफ्रीका को गेहूं के निर्यात पर खासतौर पर लागू है। लंबे समय से ओडेस्सा बंदरगाह से होकर भारत का व्यापारिक लेन-देन इन दोनों मुल्कों से होता आया है। जाहिर है किसी भी शांति हल को यह हकीकत ज़हन में रखनी होगी कि रूस किसी भी हालत में क्रीमिया से जुड़े अपने हितों से समझौता नहीं करने वाला। काला सागर के ओडेस्सा बंदरगाह तक अपनी ऐतिहासिक पहुंच को बरकरार रखना रूस का नैसर्गिक हित है। युवा और अनुभवहीन वोल्दोमीर जेलेंस्की के 20 मई, 2019 को यूक्रेन का राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद से रूस और यूक्रेन के बीच तनाव बनने लगा क्योंकि जेलेंस्की को लगता था वे बाइडेन प्रशासन से नज़दीकी बनाकर रूसी प्रभाव से मुक्त हो सकते हैं। 2021 में अपनी वाशिंगटन यात्रा के दौरान जेलेंस्की ने राष्ट्रपति बाइडेन के साथ संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जो स्पष्टत: सख्त रूस विरोधी प्रावधानों से युक्त था। इसमें कहा गया 'रूस की आक्रामकता के मद्देनजर, यूक्रेन की सार्वभौमिकता, स्वतंत्रता और इलाकाई अखण्डता बनाए रखने के प्रति अगाध प्रतिबद्धता प्रकट करते हैं, इसका दायरा क्रीमिया सहित अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सीमाओं के अंदर पड़ते इलाके के अलावा अंतर्राष्ट्रीय जलीय सीमा तक है।' स्पष्टत: इस समझौते का मकसद क्रीमिया तक रूस की निर्बाध पहुंच को चोट पहुंचाने वाली यूक्रेनी कार्रवाइयों को शह देना है। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने यूक्रेन को परिष्कृत सैन्य हथियार और उपकरण दिए। राष्ट्रपति पुतिन ने फरवरी, 2022 में अपने सैनिकों को दक्षिणी यूक्रेन पर चढ़ाई करने के आदेश दिए, जिसका साफ उद्देश्य था लुहान्सक और दोनेस्तक शहरों को कब्जा कर उन्हें बतौर स्वतंत्र राज्य स्थापित करना। यह करके उन्होंने रूस का नियंत्रण उन इलाकों पर बनवाना चाहा जहां बड़ी संख्या में रूसी मूल के लोग बसे हैं। अनुमान है कि यूक्रेन की कुल 4.33 करोड़ आबादी में लगभग 77 लाख रूसी मूल के लोग हैं। यूक्रेन के छह दक्षिणी इलाकों में, जहां से होकर रूस के काला सागर के बंदरगाहों तक पहुंच मार्ग गुजरते हैं, वहां ज्यादातर आबादी रूसियों की हैं। रूस का काला सागर नौसेना बेड़ा वर्ष 1783 में क्रीमिया प्रायद्वीप में स्थापित हुआ था। यह इलाका पुराने वक्त से ही रूस का काला सागर, अज़ोव सागर और भूमध्य सागर तक आवाजाही का द्वार रहा है। बाइडेन-जेलेंस्की घोषणापत्र के बाद यूक्रेन को भारी मात्रा में अमेरिकी एवं नाटो सैन्य सामग्री मिलने और अपने सागरीय पहुंच मार्गों को खतरे में पड़ते देख रूस ने उस पर चढ़ाई कर दी, जो कि अनियोजित प्रतिक्रम अधिक है। रूस को उम्मीद थी कि वह जल्द ही यूक्रेन के अधिकांश इलाके कब्जा लेगा, विशेषकर रूसियों की बहुलता वाले दक्षिणी भाग, जो क्रीमिया से लेकर ओडेस्सा तक फैला है। लेकिन यूक्रेन के तगड़े पलटवार ने, जिसके पीछे अमेरिकी और नाटो हथियारों की ताकत है, रूसियों के पश्चिम नीत अभियानों को रोक डाला। बड़ी बात यह है फिलहाल दक्षिणी यूक्रेन में रूसी ठिकानों पर यूक्रेनी सेना लगातार हमले कर रही है। इस खूनी युद्ध के पहले साल में हुई कुल मौतों का अनुमान अलग-अलग है। लगभग 1.4 करोड़ यूक्रेनी लोग बेघर हुए हैं, इनमें 70 लाख ने पड़ोसी मुल्कों में पनाह ली है। अनुमान है दोनों पक्षों के हताहतों और जख्मियों की गिनती लगभग 3 लाख होगी। इससे बदतर खबर यह और जिसकी पुष्टि खोजी पत्रकार सेमूर हर्श ने भी की है, 21 सितम्बर, 2022 को बाइडेन प्रशासन ने समुद्र के नीचे से गुजरती दो रूसी गैस पाइपलाइनों को नष्ट करवा दिया है। यह अतंर्राष्ट्रीय नियमों का सरासर उल्लंघन है, जिस पर गहन अंतर्राष्ट्रीय पड़ताल होनी चाहिए। यह भी साफ है कि रूस और अमेरिका, दोनों ने ही, यूक्रेन संघर्ष खत्म करने के पर्याप्त यत्न नहीं किए हैं। रूस-चीन के बीच उभरते गठजोड़ से चिंता में पड़े पश्चिमी देशों के परिदृश्य के बीच भारत ने मामला हल करने के प्रयासों में शामिल होने की पेशकश की है। अमेरिका ने चीन द्वारा मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। जाहिर है रूस ऐसे किसी हल पर सहमत नहीं होगा जिससे क्रीमिया तक पहुंच मार्गों को खतरा बने। सदियों से दक्षिणी यूक्रेन में रूसी और यूक्रेनी मिल-जुलकर रहते आए हैं। नयी दिल्ली के जी-20 शिखर में यह मुद्दा मुख्य बनकर रहेगा।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

पिघलते ग्लेशियरों से बढ़ा बाढ़ का खतरा

ज्ञानेन्द्र रावत

मौसम में दिनोदिन आ रहा बदलाव एक भीषण समस्या बन चुका है। ग्लोबल वार्मिंग ने इसमें अहम भूमिका निभाई है। नये शोध इस बात के प्रमाण हैं कि भले ही ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान पर रोक दिया जाये, इसके बावजूद दुनिया में तकरीबन दो लाख पंद्रह हजार ग्लेशियरों में से आधे से ज्यादा और उनके द्रव्यमान का एक-चौथाई हिस्सा इस सदी के अंत तक पिघल जायेगा। बीती सदी में समुद्र के जल स्तर में जो बढ़ोतरी हुई है, उसका एक-तिहाई हिस्सा ग्लेशियरों के पिघलने से आया है। दरअसल ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर के ग्लेशियर पिघल-पिघलकर टुकड़ों में बंटते चले गये। इसका कारण पर्वतीय इलाकों में तापमान में बढ़ोतरी की दर दोगुना होना है। चिंता यह कि ग्लेशियर पिघलने से बनी झीलों से आने वाली बाढ़ से भारत समेत समूची दुनिया के तकरीबन डेढ़ करोड़ लोगों के जीवन पर खतरा मंडराने लगा है। ब्रिटेन के न्यू कैसल यूनिवर्सिटी के शोध से इसका खुलासा हुआ है। नेचर कम्युनिकेशंस नामक जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के डेढ़ करोड़ लोगों में सबसे ज्यादा खतरा भारत के लोगों को है, जहां तीस लाख से ज्यादा लोगों का जीवन ग्लेशियर से आने वाली बाढ़ के कारण खतरे में है। इसके बाद पाकिस्तान का नम्बर है, जहां करीब 7000 से ज्यादा ग्लेशियर हिमालय, हिन्दूकुश और कराकोरम पर्वत श्रृंखलाओं में मौजूद हैं जहां की बीस लाख से भी ज्यादा आबादी पर यह खतरा मंडरा रहा है। शोधकर्ताओं की टीम के प्रमुख केरोलिन टेलर की मानें तो उनकी टीम के शोधकर्ताओं ने पूरी दुनिया में 1089 ग्लेशियर झीलों की घाटी की पहचान की है। इन ग्लेशियरों की घाटियों के 50 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों की तादाद शोधकर्ताओं ने 1.5 करोड़ आंकी है। यह आबादी भारत, पाकिस्तान, चीन और पेरू की है। रिपोर्ट के मुताबिक उपग्रह द्वारा साल 2020 में किए गये अध्ययन में बताया गया है कि बीते 30 सालों में ग्लोबल वार्मिंग में 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है जिसके कारण दुनिया के ग्लेशियरों से बनी झीलें टुकड़ों में बंट गयीं। गौरतलब है कि जैसे-जैसे जलवायु गर्म होती है, उसी तेजी से ग्लेशियर पिघलते हैं। यह पिघला हुआ पानी ग्लेशियर के आगे जमा हो जाता है और वह झील का रूप अख्तियार कर लेता है। ये झीलें अचानक फट भी सकती हैं। झीलों का तेज बहता पानी 120 किलोमीटर से भी अधिक इलाके को अपनी जद में ले लेता है। यह बाढ़ काफी भयावह और विनाशकारी होती है। गौरतलब है कि 1990 के बाद से जलवायु परिवर्तन के चलते ऐसी झीलों की तादाद में काफी तेजी से बढ़ोतरी हुई है। 2021 में फरवरी माह में उत्तराखंड के चमोली जिले में आयी बाढ़ ऐसी ही आपदा का परिणाम थी। दरअसल, तापमान में बढ़ोतरी और जलवायु में बदलाव को रोकने की दिशा में जो भी अभी तक प्रयास किए गये हैं, उनका कोई कारगर परिणाम सामने नहीं आ सका है। याद रहे जीवाश्म ईंधन जलाने से मानव इतिहास में जितना उत्सर्जन हुआ है, उसका आधा बीते केवल 30 सालों में ही हुआ है। यदि 2015 में जारी वैश्विक तापमान बढ़ोतरी के 10 सालों के औसत पर नजर डालें तो पता चलता है कि औद्योगिक क्रांति से पूर्व की तुलना में तापमान में 0.87 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गयी थी जो 2020 में यानी केवल पांच साल में ही बढ़कर 1.09 डिग्री सेल्सियस हो गयी। केवल पांच साल में इसमें 25 फीसदी की बढ़ोतरी हालात की गंभीरता की ओर इशारा करती है। कानेंगी मेलन यूनिवर्सिटी और फेयरबैंक्स यूनिवर्सिटी के शोध के अनुसार यदि जलवायु परिवर्तन की दर इसी तरह बरकरार रही तो इस सदी के आखिर तक दुनिया के दो-तिहाई ग्लेशियरों का अस्तित्व ही खत्म हो जायेगा। यदि दुनिया आने वाले दिनों में वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने में कामयाब रहती है उस हालत में भी आधे ग्लेशियर गायब हो जायेंगे। लेकिन हमारे पास क्षमता है कि हम ग्लेशियर के पिघलने की दर को सीमित कर उसके अंतर को कम कर सकते हैं। हालांकि छोटे ग्लेशियरों के लिए तो काफी देर हो चुकी है और वह विलुप्ति की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका सीधा-साधा मतलब है कि 2100 तक दुनिया के ग्लेशियरों का 32 फीसदी हिस्सा यानी 48.5 ट्रिलियन मीट्रिक टन बर्फ पिघल जायेगी। इससे जहां बाढ़ का खतरा बढ़ेगा, वहीं समुद्री जल स्तर में और 115 मिलीमीटर की बढ़ोतरी होगी। समुद्र के जलस्तर में यदि 4.5 इंच की बढ़ोतरी होती है तो समूची दुनिया में तकरीबन एक करोड़ से अधिक लोग उच्च ज्वार रेखा से नीचे होंगे। तात्पर्य यह कि समुद्र तटीय रहने वाले लोग इससे सर्वाधिक प्रभावित होंगे। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के अलावा बढ़ती मानवीय गतिविधियां और जरूरत से ज्यादा दोहन भी ग्लेशियरों के पिघलने का एक बहुत बड़ा कारण है। ग्लेशियरों पर मंडराते संकट को नकारा नहीं जा सकता। यदि यह पिघल गये तो ऐसी स्थिति में सारे संसाधन खत्म हो जायेंगे और ऐसी आपदाओं में बेतहाशा बढ़ोतरी होगी।

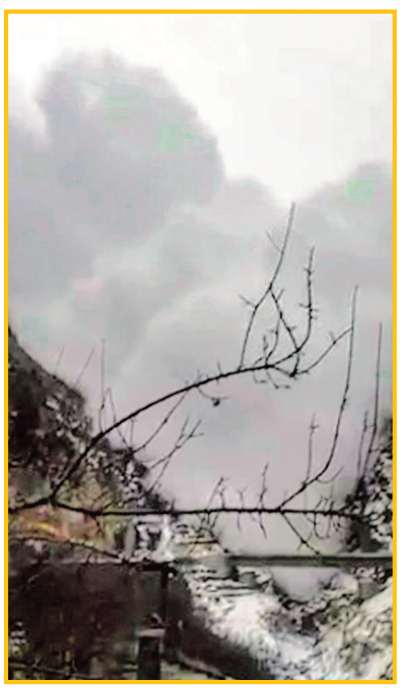

विचार मंथन

संसद और विधानसभा पक्ष और विपक्ष के अखाड़े बने?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे के पूरक होते हैं। राजनीतिक विचारधारा और मुद्दों को लेकर भले विचार अलग-अलग हों। लेकिन उनके बीच असहमति होते हुए भी राजनीतिक सौहार्द और भाईचारा बना रहता है। लिखित संविधान के अनुसार नियम कानून एवं प्रशासन का कार्य होता है। पिछले कुछ वर्षों से सत्ता और विपक्ष के बीच में जिस तरह से दूरियां बढ़ रही हैं। सौहार्द खत्म हो रहा है। उसके कारण अब संसद और विधानसभा, लोकतंत्र के मंदिर कम लोकतंत्र के अखाड़े के रूप में अपनी पहचान जन-मानस के बीच बना रहे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा चिंता की बात है। बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में जिस तरह से नेता प्रतिपक्ष कि बोलने पर सत्ता पक्ष और आसंदी द्वारा आपत्ति लगाई गई। उनसे कहा गया कि पहले वह अपने आरोपों के संबंध में पटल में जानकारी रखें। सभापति बोलने की अनुमति देंगे। जो आरोप लगा रहे हैं उसे सांसद को सत्यापित करना होगा। सत्यापित करने के बाद ही बोल सकते हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति लोकसभा में भी देखने को मिली। जहां पर विपक्ष ने जो बोला, उस के बहुत सारे अंश कार्यवाही से निकाल दिए गए। क्योंकि वह आरोप थे। अभी तक संसद की व्यवस्था में यह था कि यदि कोई सांसद ऐसी कोई बात बोलता है, जो उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है या कोई असंसदीय शब्द हैं। उसे अध्यक्ष या सभापति सदन की कार्रवाई से अलग हटा देते थे। किसी सांसद ने सदन के नियमों का पालन नहीं किया है तो उसके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जाता था। उस पर चर्चा होती थी। चर्चा के बाद सांसद या विधायक पर कार्यवाही होती थी। सांसदों को बोलने से रोका जा रहा है। यह बड़े आश्चर्य की बात है। हाल ही में मध्यप्रदेश विधानसभा में भी कुछ इसी तरह की स्थिति सामने आई। कांग्रेस के एक विधायक जीतू पटवारी को असत्य भाषण करने पर बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया। शुक्रवार को इस मामले में विपक्ष ने विरोध दर्ज कराया। इसी बीच संसदीय कार्य मंत्री और नेता प्रतिपक्ष के बीच बहस हुई। विधानसभा के नियमों की प्रति संसदीय कार्यमंत्री से गिर गई या उन्होंने फेंक दी। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि नियमावली को उनके ऊपर फेंका गया। संसदीय कार्य मंत्री पर आरोप लगाया कि उन्होंने नेता प्रतिपक्ष, संविधान और बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया है। विपक्ष ने विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव देकर संसदीय कार्य मंत्री के खिलाफ कार्यवाही की मांग कर दी। वहीं विधानसभा के अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी प्रस्तुत कर दिया। सदन की कार्रवाई हंगामे की भेंट चढ़ गई। वाद विवाद में दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित हुई। बमुश्किल सदन के अंदर 20 मिनट चर्चा हुई इसमें भी कोई काम काज तो हुआ नहीं एक दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोप जरूर होते रहे। लोकसभा राज्यसभा और विधानसभाओं में सदन की कार्रवाई पर दृष्टिपात करें, तो सत्य और असत्य का फैसला कौन करेगा यह समझना बड़ा मुश्किल है। सांसद और विधायक को यदि बोलने ही नहीं दिया जाएगा। यह कहकर उसे रोका जाएगा कि वह असत्य कथन कर रहा है। तो सदन के अंदर सदस्य की अभिव्यक्ति को रोके जाने के समान है। सांसद और विधायक को भी अब वही बोलना होगा जो दूसरे पक्ष को सत्य के रूप में समझ में आए, अन्यथा आसंदी उन्हें बोलने से रोक सकती है। असत्य कथन मानकर उनका निलंबन कर सकती है सत्ता पक्ष के पास बहुमत होता है। प्रस्ताव लाकर विपक्ष के सांसद और विधायक के विशेषाधिकार को समाप्त कर सदन की कार्यवाही में भाग लेने से भी रोक सकती है। जिस तरह से संसद और विधानसभा के सत्र बुलाए जा रहे हैं। वह पूर्व की तुलना में बहुत छोटे हो गए हैं नियम और कानून जो बनते हैं, उनमें ना तो बहस होती है। हो हल्ले के बीच कानून बन रहे हैं। हो हल्ले में बजट पास हो रहा है। बहुमत के आधार पर सत्ता पक्ष के फैसले हो रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के खिलाफ ऐसे आचरण कर रहे हैं। जैसे वह एक दूसरे के दुश्मन हों। सदन के अध्यक्ष और सभापति के रूप में आसंदी भी सत्ता पक्ष के दवाब में नजर आती है। आम जनमानस के मन में धारणा बनने लगी है कि सदन के अंदर सत्य तो बहुत कम बोला जाता है।

राजनीतिक दल और राजनेता असत्य के सपने दिखाकर सत्ता की कुर्सी तक पहुंचते हैं। यदि सदन के अंदर केवल सत्य बोलने की अनुमति होगी तो सदन में विधायक और मंत्री को अपनी बात कह पाना संभव ही नहीं है। सत्य और असत्य का फैसला भी कौन करेगा और कब होगा।

मुंबई से ठाणे के बीच चली थी भारत की पहली रेलगाड़ी

भारत की यातायात में जान फुक देने वाली भारतीय रेल समूचे भारत को आपस में जोड़ कर रखती है.वर्तमान में जम्मू - कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी व गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक फैले रेल नेटवर्क से यात्रियों को रेल यातायात की सुविधा मिल जाती है.आज सम्पूर्ण भारत में फैला रेल नेटवर्क सन 1853 में मुंबई से ठाणे के बीच मात्र 34 किलोमीटर का हुआ करता था.यु तो प्रत्येक भारतीय ने अपने जीवन में कभी न कभी रेल के सफर का लुफ्त जरूर उठाया होगा.परंतु बहुत कम ऐसे लोग है जो पहली रेल से जुड़े इतिहास व इसकी प्रग्रति को जानते होंगे.इस लेख के द्वारा आपको भारत में चलाई गई पहली रेल से जुड़े रोचक इतिहास की जानकारी देने जा रहे है.

भारत की पहली रेलगाड़ी से जुड़े रोचक व ज्ञानवर्दक तथ्य

- भारत में रेल निर्माण को लेकर सर्वप्रथम 1844 में रेल संबंधित प्रस्ताव के बारे में चर्चा की गई थी
- लार्ड डलहौजी के 1847 में भारत का गवर्नर जनरल नियुक्त होने के बाद रेल परियोजना में तेजी से काम होने लगा.
- भारत की पहली रेल 16 अप्रैल 1853 को मुंबई से ठाणे के बीच अंग्रेजो द्वारा चलाई गई थीइन दोनों स्टेशन के बीच की दुरी मात्र 34 किलोमीटर थी
- भारत में चलाई गई पहली रेल को 34 किलोमीटर की दुरी तय करने में 1 घंटा 15 मिनट का समय लगा था.
- क्या आप जानते है पहली रेल में कुल 400 यात्रियों ने सफर किया था.और इस रेल में 14 रेल डिब्बों को जोड़ा गया था.
- भारत में चलाई गई पहली रेलगाड़ी में कुल 3 इंजिन को लगाया गया था.जिनका नाम क्रमश : सिंध, मुल्तान व शाहिब था.
- पहली रेल को भांप इंजन के द्वारा चलाया गया था.
- इस रेल का निर्माण करने वाली कंपनी का नाम मध्य रेलवे की ग्रेट इंडियन पेनिनसुलर रेलवे था.
- जिस समय इस ट्रेन को चलाया गया था तब समय 3 बजकर 35 मिनट हो रहे थे.
- वर्तमान में भारतीय रेल नेटवर्क एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है व सम्पूर्ण विश्व में भारतीय रेल नेटवर्क को 4 स्थान हासिल है.

कंगारू में होती है गजब की खूबियाँ

कंगारू जिसे उछलने वाला जानवर के नाम से भी जाना जाता है.और यह ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पशु है.यह एक स्तनधारी जीव है परंतु यह स्तनधारी जीव होकर भी उन जीवों से बेहद अलग है, क्योंकि यह अपने दो पैरों पर चलता है और चलना भी क्या यह अपने पैरों पर चलकर ना अपितु उछलकर चलता है.जी हा दोस्तों आज का हमारा लेख इसी गजब जानवर से संबंधित है.आज हम आपको कंगारू से जुड़े ऐसे रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद नहीं पढ़े होंगे.तो देर ना करते हुए चलिए जानते हैं कंगारु से जुड़े हैरान कर देने वाले महत्वपूर्ण तथ्य

- क्या आप जानते हैं विश्व में सर्वाधिक मात्रा में कंगारू ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं.यहां पर आपको कंगारू सड़कों पर घूमते मिल जाएंगे.उदाहरण के तौर पर जिस तरह भारत की गलियों में कुत्तों की फौज घूमती है ठीक ऐसे ही ऑस्ट्रेलिया की गली गली में कंगारू घूमते है.
- क्या आप जानते हैं कंगारू एक शाकाहारी जीव होता है और यह आमतौर पर फल, घास इत्यादि खाते हैं.
- विश्व में अब तक कंगारुओं की कुल 4 प्रजातियां खोजी गई हैं. जिन्हें रेड कंगारू , अंतिलोपीन कंगारू, ईस्टर्न ग्रे और वेस्टर्न ग्रे के नाम से जाना जाता है.
- कंगारू जमीन पर उछल कर चलने वाला प्राणी है क्योंकि इसके अगले दो पैर छोटे होते हैं जिसके कारण यह जमीन पर संतुलन नहीं बना पाते और यह अपने पिछले दो पैरों पर कूद-कूद कर आगे बढ़ते हैं.
- आपको जानकर हैरानी होगी कंगारू जमीन पर चलने के साथ-साथ पानी में तैर भी सकते हैं.
- क्या आप जानते हैं कंगारू अपने सर को गुमाये बिना अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमा सकते हैं.अर्थार्थ इन्हें अपने कानों को किसी भी दिशा में घुमाने के लिए सिर को घुमाने की जरूरत नहीं होती.
- क्या आप जानते हैं कंगारू का गर्भकाल बेहद छोटा होता है और यह मात्र 30 से 35 दिनों का ही होता है, परंतु इतने छोटे गर्भकाल के कारण कंगारू का बच्चा पूर्ण रूप से विकसित नहीं हो पाता और यह अपनी मां के पेट पर बनी थैली में पहुंच जाता है और यही से यह बच्चा पूर्ण रूप से विकसित होना शुरू होता है.
- क्या आप जानते हैं कंगारुओं का एक पांचवा पैर भी होता है. उदाहरण के तौर पर कंगारुओं की पूंछ इतनी शक्तिशाली होती है कि यह सिर्फ अपनी पूंछ पर अपना सारा वजन डाल सकते हैं और यह पूछ इन के पांचवें पैर का काम करती है.
- जब यह 40 से 60 किमी की रफ्तार से जम्प करता है तो इसके पीछे पैर और पूंछ से अपना संतुलन बनाए रखता है। खड़े रहने पर उसकी पूंछ ही उसका सहारा होती है.
- नर कंगारू को बूम, मादा कंगारू को डो और कंगारू के बच्चे को जॉय कहा जाता है.
- क्या आप जानते है इनकी आंखें बहुत तेज होती हैं परंतु ये सिर्फ चलती-फिरती वस्तुओं को ही देख पाते हैं.

आजकल युवाओं में एनिमे का बड़ा क्रेज है। स्कूल-कॉलेजों में बच्चे झुंड बनाकर बस इसी के बारे में चर्चा करते रहते हैं। जो नई एनिमे सबसे पहले देखकर आता है, उसे बाकियों द्वारा 'कूल' समझा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में एनिमे ने वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि प्राप्त की है। दिसंबर 2021 में जारी की गई एक रिपोर्ट की माने तो पूरी दुनिया में करीब 50 करोड़ लोग एनिमे देखना पसंद करते है। तो आखिर ये एनिमे है क्या? और इसकी इतनी लोकप्रियता का राज क्या है?

एनिमे क्या है?

'एनिमे' शब्द जापान से प्रचलित हुआ है - जिसका मतलब है एनीमेशन। अब आप ये सोचेंगे कि भला युवाओं को कार्टूनों की दुनिया से क्या लेना-देना? लेकिन, इन्हीं कार्टूनों ने युवाओं की मानसिकता पर ऐसा प्रभाव डाला है कि अगर उनके सामने एनिमे को कोई कार्टून कह दे, तो वे बिफर जाते हैं। क्यों कि उनके अनुसार एनिमे, कार्टून सीरीज से अलग है। ये सीरीज अक्सर जापान के लेखकों द्वारा लिखे गए 'मांगा' (लघु उपन्यास) पर आधारित होती है। यूं तो जापानीज एनीमेशन 1920 के दशक से प्रसारित होता आ रहा है, लेकिन कुछ सालों पहले से एनिमे की एक नई श्रेणी प्रचलित हुई है, जिसे 'शोनेन' कहा जाता है। इस तरह के एनिमे सीरीज मुख्य रूप से युवा दर्शकों की रूचि को केंद्र में रखकर बनाए जाते हैं। वेब सीरीज की तरह इनके भी सीजन्स और एपिसोड्स होते हैं, जिन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से देखा जा सकता है। अटैक ऑन टाइटन, फुल मेन्टल अलकेमिस्ट, वन पीस, नारुटो, डेथ नोट, जुजुत्सु काइसन, वन पंच मैन आदि प्रसिद्ध एनिमे की लिस्ट में गिने जाते हैं।

एनिमे की लोकप्रियता का रहस्य क्या है?

अकेले जापान में ही एनिमे का सालाना कारोबार 19 बिलियन डॉलर (1900 करोड़) का है। इसकी लोकप्रियता के कारण कई सारे ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ऐसे भी हैं, जहां पर केवल एनिमे ही उपलब्ध है। 'नारूटो' नामक एनिमे सीरीज के सभी सीजन्स मिलाकर 822 एपिसोड्स हैं ,जिन्हें कई युवाओं द्वारा बिंज वॉचिंग करके कुछ ही महीनों के भीतर देखा जा चुका है। एनिमे सीरीज और किरदारों से जुड़े प्रोडक्ट जैसे टी-शर्ट्स, मास्क्स, स्टिकर्स आदि बेचने वाली कंपनियां भी जमकर मुनाफा कमा रही है। नियमित रूप से एनिमे देखने वालों के लिए अब ये मनोरंजन का प्राथमिक साधन बन गया है। आइए जानते हैं एनिमे की इतनी लोकप्रियता के मुख्य कारण क्या है.-

विषयों की विविधता

एनिमे की शैलियों की विस्तृत श्रृंखला इनकी लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण है। एनिमे में हर व्यक्ति अपने हिसाब की शैली का आनंद ले सकता है। रोमांस, कॉमेडी, एक्शन, एडवेंचर, मिस्ट्री, सस्पेंस और हॉरर आदि एनीमे प्लॉट्स द्वारा खोजी गई कई शैलियों में से कुछ हैं। तो आप एक अपनी पसंद को ध्यान में रखकर कोई भी दिलचस्प क्षेत्र से शुरू कर सकते हैं। एनिमे सीरीज की कहानी इस तरह से बनाई जाती है कि हर उम्र के दर्शकों को मनोरंजन प्रदान किया जा सके। कहा जा सकता है की एनिमे बॉलीवुड और हॉलीवुड की तरह ही एक इंडस्ट्री है, जिसमें हर तरह के विषयों पर कंटेंट बनाया और परोसा जाता है।

बेहद प्रभावशाली एनीमेशन और किसी को पल भर में मोहित कर लेना ही दृश्य तत्व का मुख्य दायित्व होता है, जिसे एनिमे क्रिएटर्स द्वारा बड़े प्रभावी ढंग से किया जाता है। हर चीज एनिमेटेड होने की वजह से युवाओं को जोड़े रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है। किन्तु,कल्पनाशील अभिव्यक्ति और रचनात्मकता के सहारे हर कहानी को बहुत ही खूबसूरती के साथ प्रदर्शित किया जाता है। रंग और छायांकन के उपयोग से लेकर विस्तृत विवरण और स्पष्टता तक, सब कुछ इतनी सावधानी और सोच-समझकर बनाया जाता है, जिससे आपको ऐसा अनुभव हो कि आप उसी कहानी के एक किरदार है। कई सारे हाई क्वालिटी ग्राफिक्स का इस्तेमाल करके एक्शन, हॉरर सीन्स को इतना बेहतरीन बना दिया जाता है कि दर्शक अपनी जगह से हिल भी न पाए। इस तरह एनिमे देखने वाले लोग कई एपिसोड्स को एक ही बार में देख लिया करते हैं।

असल जिन्दगी से जुड़े किरदार

वैसे तो एनिमे कार्टून सीरीज ही हैं, लेकिन इसके किरदार रियल लाइफ से काफी हद तक जुड़े होते हैं। ये सिर्फ हंसी-खुशी तक सीमित न रहकर डिप्रेशन, मानसिक दुर्बलता, जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने में कठिनाई आदि कई विषयों पर भी खुलकर बात करते हैं। एनिमे के विषयों और किरदारों को युवा पीढ़ी अपने वास्तविक जीवन से जोड़कर देखने लगी है। एनिमे की सबसे अच्छी बात ये होती है कि इसकी कहानियों में किरदारों को बहुत अच्छी तरह से बना जाता है, जिन्हें देखते देखते दर्शकों को उनसे जुड़ाव महसूस होने लगता है। यही जुड़ाव उन्हें कहानी के अंत तक जाने के लिए प्रेरित भी करता है। कहानी के साथ साथ पात्रों के चरित्र को प्रभावशाली संवादों और विजुअल्स के साथ बखूबी प्रदर्शित किया जाता है। साथ ही हर एनिमे अपने भीतर किसी न किसी जीवन मूल्य को छुपाए होता है। इसमें किरदारों के व्यक्तित्व की उन खूबियों को भी दिखाया जाता है, जिसे टीवी या ओटीटी सीरीज के निर्माता नजरअंदाज कर देते हैं। एनिमे किरदारों के ये सभी गुण मिलकर उन्हें और अधिक वास्तविक रूप प्रदान करते हैं।

विजुअल इफेक्ट्स में चार चांद लगाने का काम एनिमे का पार्श्व संगीत करता है, जो दर्शकों को कहानी और किरदारों से जोड़े रखता है। यह काफी रहस्यमय और लगभग चमत्कारी है कि किस तरह एनिमे का संगीत किसी चीज को भावनाओं की एक शक्तिशाली प्रतिध्वनि में बदल सकता है।

बदलाव को स्वीकारने वाला समुदाय

एनिमे सीरीज की सबसे खास बात ये है कि इसके निर्माताओं के ग्रुप की सोच बहुत ही प्रगतिशील है, जो मनोरंजन के क्षेत्र में दुनियाभर में हो रहे बदलावों को ध्यान में रखकर कंटेंट का निर्माण करता है। यह देखते हुए कि एनिमे रचनात्मकता को संचालित करता है, इसका ग्रुप भी जबरदस्त प्रतिभा और क्षमता से भरा हुआ है। एनीमे सम्मेलन कुशल कलाकारों, संगीतकारों, लेखकों, पोशाक डिजाइनरों, फोटोग्राफरों, वीडियोग्राफरों और अन्य रचनाकारों के लिए महान मंच प्रदान करते हैं जो एनिमे के माध्यम से अपने काम को प्रस्तुत करने की दिशा में कार्य करना चाहते हैं। ग्रुप ने एक यूट्यूब निर्माताओं उप-श्रेणी का उदय भी किया है, जो एनीमे से जुड़ा कंटेंट बनाते हैं।

एनिमे सीरीज की सबसे अच्छी बात ये है की इसमें दर्शक को हर बार एक नया एहसास होता है। भारत के साथ साथ विश्व भर में एनिमे के भविष्य को लेकर अपार संभावनाएं है। एनिमे एक ऐसे विकल्प के रूप में उभर रहा है, जो हो सकता है आगे चलकर दुनियाभर के युवाओं के लिए मनोरंजन का प्राथमिक साधन बनने का माद्दा रखता है।

लंगड़ा भूत

जिस दिन से नूरांश का सातवीं क्लास का रिजल्ट आया था, उसी दिन से उसने पापा से दादी के गांव ले चलने की रट लगा रखी थी। कहता था, 'इस साल मुझे दादी के गांव ही जाना है बस। हिल स्टेशन पर घूमने भी नहीं जाना।' उसका गांव जाने को लेकर उत्साह देखते हुए उसके मम्मी-पापा ने उससे प्रॉमिस किया कि, 'ठीक है, इन गर्मियों की छुटियों में दादी के पास गांव चलेंगे।' मम्मी-पापा से प्रॉमिस लेने के बाद ही नूरांश निश्चिंत। दस दिन बीत जाने के बाद आखिर दादी के घर जाने का समय भी आ गया। नूरांश बहुत खुश था, क्योंकि उसके पापा ने गर्मी की छुट्टियों में दादी और चाचा के पास गांव जाने के लिए टिकट बुक करवा लिए थे। अगले दिन उन्हें गांव जाना था।

अगले दिन नूरांश गांव पहुंच गया। वह बहुत खुश था । उसकी दादी, चाचा, चाची, उसके चचेरे भाई-बहन रेयांश और गुडडन सब उसे प्यार करते थे और उसके आने से बहुत खुश थे। एक दिन दोपहर का खाना खाने के बाद जब सब सोए हुए थे तो नूरांश को गर्मी की वजह से नींद नहीं आ रही थी। वह चुपचाप अपने कमरे से बाहर दादी के पास बरामदे में आ गया और बोला, 'दादी, मुझे नींद नहीं आ रही है। मेरा मन खेतों की ठंडी हवा में जाने का कर रहा है। क्या मैं खेतों में जाकर आ सकता हूं?' दादी बोलीं, 'बेटा ! खेत तो यहां से काफी दूर हैं, तुम अकेले कैसे जाओगे? फिर वापस आते-आते अंधेरा भी हो जाएगा और रास्ते में पीपल का पेड़ भी पड़ेगा। लोग कहते हैं कि उस पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। तुम आज रहने दो, कल चाचा के साथ मोटरसाइकिल से खेतों की तरफ चले जाना।' यह सुनकर नूरांश बोला, 'दादी, मैं पैदल थोड़े ही जाऊंगा। चाचा की साइकिल पर जाऊंगा, मुझे साइकिल चलानी आती है और शाम होने से पहले ही लौट आऊंगा। फिर किस बात का डर?

तभी उसके चाचा भी अंदर से उठकर आ गए और कहने लगे, 'मां, उसका मन है तो जाने दो। अब वो आठवीं क्लास में पढ़ता है, छोटा बच्चा नहीं है। जाओ नूरांश, ध्यान से साइकिल चलाना। इसका स्टैंड थोड़ा ढीला है, पर साइकिल ठीक चलती है। और हां, जल्दी आ जाना नहीं तो तुम्हारी दादी यूं ही घबराती रहेंगी।' 'ठीक है चाचू , मैं जल्दी आ जाऊंगा। थैंक्यू दादी, थैंक्यू चाचू। दादी, मम्मी-पापा जब उठ जाएं तो उन्हें भी बता देना।' इतना कहकर नूरांश साइकिल लेकर खेतों की ओर चला गया। हरे-हरे लहलहाते खेतों को देखकर उसे बहुत अच्छा लगा। मिट्टी की सौंधी-सौंधी खुशबू के बीच टहलते हुए उसे बहुत मजा आ रहा था। कुछ आगे जाने पर उसने खेतो में मोर नाचते हुए भी देखे। वह उन्हें एकटक देखता ही रह गया। तभी उसकी नजर एक पेड़ के नीचे बिछी हुई चारपाई पर पड़ी। उसने सोचा,'अभी तो शाम होने में बहुत समय है, चलो कुछ देर इसी चारपाई पर लेटता हूं।' ऐसा सोचते-सोचते वह चारपाई पर लेट गया। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। इस बीच उसकी आंख कब लग गई, उसे पता ही नहीं चला। जब उसकी आंख खुली तो अंधेरा हो चुका था।

यह देखकर वह खुद को कोसने लगा कि वह सोया ही क्यों! घर पर सब चिंता कर रहे होंगे, यह ख्याल आते ही वह फटाफट उठा और जल्दी-जल्दी साइकिल चलाने लगा। जल्दी घर पहुंचने के लिए वह तेजी से साइकिल चला रहा था। जैसे ही वह पीपल के पेड़ के पास पहुंचा, अचानक अंधेरे में साइकिल का अगला पहिया एक पत्थर पर चढ़ गया और वह गिर पड़ा। तभी दादी के शब्द उसके कानों में गूंजने लगे कि पीपल के पेड़ पर लंगड़ा भूत रहता है। उसने फटाफट अपनी साइकिल उठाई और घर की तरफ जाने लगा। पर यह क्या? उसके पीछे खरड़-खरड़ और छन-छन जैसी आवाजें आने लगीं। उसने सोचा कि हो न हो लंगड़ा भूत ही उसके पीछे आ रहा है। यह बात मन में आते ही उसने साइकिल और तेज चलानी शुरू कर दी। पर यह क्या? वह जितनी तेजी से साइकिल चलाता, छन-छन की आवाज भी उतनी ही तेजी से आने लगती, जैसे कोई उसके पीछे आ रहा हो। डर से उसके हाथ कांपने लगे और वह पूरी तरह पसीने से भीग गया। तभी उसे गांव की लाइटें दिखाई देने लगीं। उसने हिम्मत नहीं हारी और किसी तरह साइकिल चलाता रहा। आवाजें भी लगातार आती रहीं। कुछ देर बाद वह घर पहुंच गया।

घर पहुंचते ही उसने साइकिल एक तरफ फेंकी और चाचा को देखते ही उनसे लिपट गया। बोला,'चाचू, मुझे बचा लो, मेरे पीछे पीपल के पेड़ वाला लंगड़ा भूत आ रहा है। वह मुझे खा जाएगा।' चाचा और पूरा परिवार उसकी ऐसी हालत देखकर हैरान हो गए। सबने उसे पानी पिलाया फिर उसका डर भगाने की कोशिश करने लगे। चाचा बोले,'कोई भूत-वूत नहीं होता है। यह तो हमारे अंदर का डर होता है बस और कुछ नहीं। अच्छा, अगर भूत है तो बताओ वह अंदर क्यों नहीं आया? मुझे पूरी बात बताओ कि आखिर हुआ क्या था?' अब तक नूरांश का डर भी काफी कम हो चुका था। उसने चाचा को बताया कि कैसे उसे खेत में नींद आ जाने पर अंधेरा हो गया था और घर जल्दी पहुंचने के लिए वह साइकिल तेज चलाने लगा। इसके बाद पीपल के पेड़ के पास गिरने और लंगड़े भूत के पीछा करने की आवाजें आने की बात भी उसने चाचा को बताई। इतना सुनते ही चाचा दो मिनट के लिए बाहर गए और साइकिल देखते ही सारा माजरा समझ गए।

उन्होंने नूरांश को अपने पास बुलाया और पूछा,'तुमने अपने स्कूल में पेड़ों के बारे में जरूर पढ़ा होगा। अब जरा बताओ कि पेड़ हमारे दोस्त हैं या दुश्मन?' 'चाचू, दोस्त हैं।' चाचा ने फिर सवाल किया, 'फिर तुमने यह कैसे सोच लिया कि पीपल के पेड़ पर भूत रहता है?' नूरांश बोला, 'वो दादी ने कहा था न, इसलिए मुझे ऐसा लगा।' चाचा ने समझाया, 'बेटा, आपकी दादी गांव में रहती हैं और सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास कर लेती हैं, क्योंकि उनके समय में आजकल की तरह शिक्षा के साधन नहीं थे। गांव में स्कूल नहीं होते थे, पर अब ऐसा नहीं है। सब शिक्षित होते जा रहे हैं। शिक्षा से ही हमारा अज्ञान दूर होता है और हम तरक्की करते हैं। जरा सोचो कि जो पेड़ हमें छाया देते हैं, फल-फूल, लकड़ी आदि देते हैं, बंदर और गिलहरी आदि जीवों को शरण देते हैं, घनी छाया देते हैं, धरती की शोभा बढाते हैं, ऐसे दोस्त क्या हमें भूत देंगे?'

'नहीं चाचू, आई एम सॉरी।'

'आओ, अब तुम्हें तुम्हारे लंगड़े भूत से भी मिलवाते हैं। बाहर आओ।' चाचा नूरांश को साइकिल के पास लेकर गए और उससे पूछा,'जब तुम खेतो में साइकिल लेकर जा रहे थे तो याद है मैंने तुमसे कुछ कहा था।'

'आपने कहा था कि साइकिल का स्टैंड थोड़ा ढीला है, ध्यान से चलाना।'

'हां, बिल्कुल ठीक। तो यह देखो! हुआ यह कि जब तुमसे साइकिल गिरी तो उसका स्टैंड ढीला होने की वजह से एक साइड से निकल गया और जमीन से टकराने लगा। तुम साइकिल चला रहे थे तो वह जमीन से बार-बार टकराकर आवाज कर रहा होगा। तुमने साइकिल चलाने की स्पीड बढ़ाई होगी तो जरूर उसकी आवाज और तेज हो गई होगी। और तुम समझते रहे कि कोई लंगड़ा भूत तुम्हारा पीछा कर रहा है। अब तो सारा माजरा समझ गए न।' 'सब समझ में आ गया चाचू। अब मैं हर काम सोच-समझकर करूंगा और अंधविश्वास से हमेशा दूर रहूंगा। दादी आप भी कभी सुनी-सुनाई बातों पर विश्वास मत कीजिएगा और अगर आप ऐसा करेंगी तो लंगड़े भूत को आपके पीछे लगा दूंगा।' नूरांश के ऐसा कहते ही सब खिलखिलाकर हंस दिए।

एनसीएलटी ने एचडीएफसी की दो सहायक कंपनियों के विलय की अनुमति दी

नई दिल्ली । नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने एचडीएफसी प्रॉपर्टी वेंचर्स और एचडीएफसी वेंचर कैपिटल के एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स के साथ विलय को मंजूरी दे दी। इन दो सहायक कंपनियों के विलय से पैरेंट कंपनी एचडीएफसी के साथ एचडीएफसी बैंक के विलय की प्रक्रिया एक कदम और करीब आ गई है। हालांकि ट्रिब्यूनल को अभी तक अपनी दो बीमा शाखाओं और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी के विलय की मंजूरी नहीं मिली है, साथ ही 40 बिलियन अमरीकी डॉलर के रिवर्स मर्जर के हिस्से के रूप में बैंक में पेटेंट भी है। एचडीएफसी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि एनसीएलटी ने अपने फाइनल ऑर्डर में एचडीएफसी प्रॉपर्टी वेंचर्स और एचडीएफसी वेंचर कैपिटल के एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स में विलय की एक समग्र योजना को मंजूरी दे दी है। इस विलय के परिणामस्वरूप समूह की संरचना और कुशल प्रशासन का सरलीकरण, सुव्यवस्थित और अनुकूलन होगा। इस सप्ताह की शुरुआत में ट्रिब्यूनल ने एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के मर्जर की मंजूरी के लिए ऑर्डर सुरक्षित रख लिया था, क्योंकि पक्षों ने प्रक्रिया के लिए 180 दिन और मांगे थे। एचडीएफसी को पहले ही सेबी, एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के शेयरधारकों, पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। यह मंजूरी एचडीएफसी बैंक में एचडीएफसी के विलय का मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगी, जिसके अगले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही तक तय होने की उम्मीद है।

1 अप्रैल 2024 से सोना और उसके आभूषणों पर एचयूआईडी लिखना अनिवार्य

- अब 4 डिजिट वाली हॉलमार्किंग बंद होगी, 6 अंकों वाला हॉलमार्क की मान्य होगा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सोना और उसके आभूषणों की बिक्री और खरीद से संबंधित नियमों में बड़ा बदलाव कर दिया है। बदलाव के अनुसार, 1 अप्रैल 2024 से गोल्ड और उसके आभूषणों पर अनिवार्य से रूप से हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर (एचयूआईडी) होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता है तो वह सोना बाजार में बेचा नहीं जा सकेगा। 16 जून 2021 तक हॉलमार्क का इस्तेमाल करना विक्रेता की इच्छा पर निर्भर था। हालांकि, इसे धीरे-धीरे अनिवार्य किया जाने लगा। अभी तक यह 288 जिलों में अनिवार्य रूप से लागू हो चुका है। उपभोक्ता मामलों के विभाग की अतिरिक्त सचिव निधि खरे ने बताया है कि अभी 4 और 6 अंकों वाले हॉल मार्क का इस्तेमाल होता है। मंत्रालय का कहना है कि अब केवल 6 अंकों वाला हॉलमार्क की मान्य होगा. सरकार के अनुसार 4 और 6 अंकों के हॉलमार्क समझ में नहीं आ रहा था। एक और हॉलमार्क के लिखने के तरीके में किया गया है। पहले डिजिट हॉलमार्किंग होती थी जिसे बदलकर अल्फान्यूमेरिक (अंक और अक्षर से मिलकर) कर दिया गया है। अब 4 डिजिट वाली हॉलमार्किंग बंद हो जाएगी। यह हर आभूषण की अपनी विशिष्ठ पहचान होती है। इस नंबर की मदद से ग्राहक को सोना और उसके आभूषण से जुड़ी सारी जानकारी मिल जाएगी। इससे धोखाधड़ी की आशंका को बहुत हद तक किया जा सकेगा। ज्वेलर्स को इसकी जानकारी बीआईएस के पोर्टल पर भी डालनी होगी। हर ज्वेलवरी पर मैनुअली यूनिक नंबर लगाया जाएगा। आपको बता दें कि दुकानदार नए हॉलमार्क के बिना सोना या गहना नहीं बेच पाएंगे लेकिन ग्राहक 1 अप्रैल के बाद भी पुराने हॉलमार्क वाले गहने ज्वेलर को बेच सकते हैं। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारियों के साथ बैठक की. बैठक में बीआईएस को परीक्षण के लिए आधारभूत ढांचा मजबूत करने के निर्देश दिए गए। बीआईएस को निर्देश दिया गया कि उत्पादों की जांच और बाजार की निगरानी को भी बढ़ा दिया जाए। बेहद छोटे स्तर पर क्वालिटी को बढ़ावा देने के लिए यह भी तय किया गया कि बीआईएस सर्टिफिकेशन या मिनिमम मार्किंग शुल्क पर 80 फीसदी तक की छूट देगा।

बिल गेटस ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रगति की प्रशंसा की

वाशिंगटन ।(एजेंसी)

माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने स्वास्थ्य, विकास एवं जलवायु जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति की सराहना की है। गेट्स ने कहा कि देश यह दिखा रहा है जब नवाचार में निवेश किया जाता है, तो क्या-क्या संभव है। 'बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन' के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स ने 'कई सुरक्षित, प्रभावी और किफायती टीके विकसित करने की अद्भुत क्षमता' के लिए भारत की प्रशंसा की। इनमें से कई टीके विकसित करने में 'गेट्स फाउंडेशन' ने मदद की है। उन्होंने कहा कि इन टीकों ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान लाखों लोगों का जीवन बचाया और दुनियाभर में अन्य बीमारियों को फैलने से रोका। गेट्स ने कहा कि उन्होंने भारत की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने एक लेख में कहा` कि ऐसे समय में जब दुनिया के सामने इतनी सारी चुनौतियां हैं, भारत जैसी गतिशील और रचनात्मक जगह की यात्रा से प्रेरणा मिलती है। गेट्स ने कहा कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण पिछले तीन वर्षों में उन्होंने ज्यादा यात्रा नहीं की, लेकिन वह खासकर कोविड के

टीके विकसित करने और भारत की स्वास्थ्य प्रणालियों में निवेश के मामलों को लेकर मोदी के संपर्क में रहे। उन्होंने कहा कि नये जीवनरक्षक टीकों के उत्पादन के अलावा, भारत उनके वितरण में भी उत्कृष्ट रहा और उसकी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ने कोविड टीकों की 2.2 अरब से अधिक खुराक वितरित की हैं।

अमेजन पे पर 3.06 करोड़ का जुर्माना

मुंबई ।(एजेंसी)

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अमेजन पे (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड पर 3.06 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना प्रीपेड भुगतान उपकरणों (पीपीआई) और अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी) से संबंधित कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने पर लगाया गया। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि यह पाया गया कि संस्था केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) आवश्यकताओं पर आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं कर रही थी।आरबीआई ने अमेजन पे (इंडिया) को एक कारण बताओ नोटिस जारी करके पूछा था कि आखिर निर्देशों का पालन न करने के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। इसके बाद कंपनी के जवाब पर विचार करने के बाद आरबीआई इस नतीजे पर पहुंचा कि उसके निर्देशों का पालन नहीं करने के आरोप सही हैं और ऐसे में उस पर मौद्रिक जुर्माना लगाया गया। केंद्रीय बैंक ने हालांकि कहा कि यह जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों के कारण लगाया गया है और इसका मकसद अमेजन पे (इंडिया) का अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर टिप्पणी करना नहीं है। अमेजन पे ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन की डिजिटल भुगतान शाखा है।

यस बैंक में से अपनी हिस्सेदारी घटा सकता है एसबीआई

नई दिल्ली । साल 2020 में यस बैंक में गड़बड़ी की खबरों से यह बैंक दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया था। संकट के बीच आरबीआई ने यस बैंक के पुराने बोर्ड को भंग कर इसका टेकओवर कर लिया था। इसके बाद निवेशकों के कुछ शेयर डीमैट अकाउंट से अचानक गायब हो गए थे। दरअसल ये स्टॉक लॉक इन पीरियड में चले गए थे। अब 6 मार्च को ये लॉक इन अवधि खत्म होने वाली है। खबर है कि सबसे बड़ा हिस्सेदार एसबीआई यस बैंक में से अपनी हिस्सेदारी घटा सकता है। आरबीआई के एक्शन प्लान के बाद ईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक ने पूंजी डालकर यस बैंक को डूबने से बचाया था। अब खबर है कि यस बैंक को 2020 में बेलआउट करने वाला देश का सबसे बड़ी सरकारी बैंक एसबीआई यस बैंक में अपनी हिस्सेदारी घटा सकता है। यस बैंक में एसबीआई के लिए लॉक इन पीरियड 6 मार्च 2023 को खत्म होने जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार एसबीआई यस बैंक में हमेशा के लिए अपनी हिस्सेदारी बनाये रखने के पक्ष में नहीं है और अपना स्टैक कम करने पर विचार कर रहा है। हालांकि इसके लिए एसबीआई को भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी लेनी होगी।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ

मुंबई ।(एजेंसी)

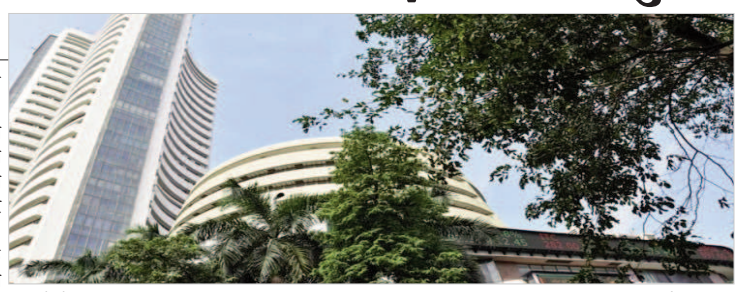

वैश्विक बाजारों से मिले जुले संकेतों, बेहतर मैक्रो-इकॉनोमिक डेटा और अडानी ग्रुप के शेयरों में विदेशी निवेश की खबरों के बीच 03 मार्च को शेयर बाजार साप्ताहिक आधार पर बढत लेकर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार 3 मार्च को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 900 अंक बढ़कर 59,808 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 272 अंक की तेजी रही। यह 17,594 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 शेयरों में तेजी और सिर्फ 5 शेयरों में गिरावट रही। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 133 अंक गिरकर 59,331 पर खुला और 175.58 अंक की गिरावट के साथ 59,288.35 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 37 अंकों के नुकसान के साथ 17,429 पर खुला और 73.10 अंक की गिरावट के साथ 17,392.70 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 59 अंकों की तेजी के साथ 59,347 पर खुला और 326.23 अंक गिरकर चार माह के निचले स्तर 58,962.12 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 10 अंक गिरकर 17,383 पर खुला और 88.75 अंक की गिरावट के साथ 17,303.95 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 174 अंक चढ़कर 59,136 पर खुला और 448.96 अंक चढ़कर 59,411.08 पर बंद हुआ। निफ्टी 70 अंकों की तेजी के साथ 17,374 पर खुला और 146.95 अंक चढ़कर 17,450.90 फीसदी पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 124 अंकों की गिरावट के साथ 59,287 पर खुला और 501.73 अंक की गिरावट के साथ 58,909.35 पर बंद हुआ। निफ्टी 66 अंक गिरकर 17,385 पर खुला और 129.00 अंक टूटकर 17,321.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 500 अंकों की उछाल के साथ 59,404 खुला और 900 अंकों की तेजी रही है और यह 59,809 पर बंद हुआ। निफ्टी 156 अंकों की उछाल के साथ 17,448 पर खुला और 272 अंक बढ़कर 17,594 पर बंद हुआ।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर बढ़ाया विंडफॉल टैक्स

- एटीएफ और डीजल के टैक्स में की कटौती

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सरकार ने एक तरफ देश की पेट्रोलियम कंपनियों को राहत दी है तो दूसरी तरफ झटका भी दिया है। सरकार ने आज से क्रूड, डीजल और एविएशन फ्यूल के विंडफॉल टैक्स में बदलाव किया है। एक तरफ सरकार ने क्रूड ऑयल के विंडफॉल टैक्स में बढ़ोतरी की है, वहीं डीजल और एयर टरबाइन फ्यूल के एक्सपोर्ट पर अतिरिक्त ड्यूटी में कटौती की है। क्रूड ऑयल के विंडफॉल टैक्स में मामूली बढ़त की गई है और यह 4,359 रुपए प्रति टन से बढ़कर 4,400 रुपए प्रति टन हो गया है। वहीं डीजल के एक्सपोर्ट ड्यूटी को 2.5 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 0.5 रुपए लीटर कर दिया गया है। वहीं एयर टरबाइन फ्यूल के एक्सपोर्ट पर लगने वाला टैक्स को खत्म कर दिया गया है। यह सभी टैक्स 4 मार्च, 2023 से लागू हो

चुके हैं। बता दें कि विंडफॉल टैक्स खासतौर पर ऐसी कंपनियों पर लगाया जाता है जो खासतौर की स्थिति के कारण मोटा मुनाफा कमाती हैं। सरकार ने यह टैक्स पहली बार केंद्र सरकार ने 1 जुलाई, 2022 से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर विंडफॉल टैक्स लगाने का फैसला किया था। उस समय सरकार ने ऐलान किया था कि इस टैक्स को पेट्रोल के साथ-साथ डीजल, एटीएफ पर भी लगाया जाएगा। उस समय पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपए प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया था। वहीं कच्चे तेल के घरेलू उत्पादन पर 23,250 रुपए प्रति टन विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स लगाया गया था।

निवेशक 6 मार्च से कर सकेंगे एसजीबी में निवेश के लिए आवेदन

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सरकारी स्वर्ण बांड (एसजीबी) योजना में निवेशक सोमवार 6 मार्च से फिर निवेश कर सकेंगे। पांच दिन के लिए खुल रहे स्वर्ण बॉन्ड के लिएकीमत 5,611 रुपए प्रति ग्राम तय की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि 2022-23 की चौथी श्रृंखला के तहत स्वर्ण बॉन्ड योजना खरीद के लिये छह मार्च से 10 मार्च के दौरान उपलब्ध होगी। इसके लिए निर्गम मूल्य 5,611 रुपए प्रति ग्राम रखा गया है। बयान के अनुसार ऑनलाइन या डिजिटल माध्यम से स्वर्ण बांड के लिए आवेदन और भुगतान करने वाले निवेशकों के लिए निर्गम मूल्य 50 रुपए प्रति ग्राम कम होगा। इस तरह के निवेशकों के लिए स्वर्ण बांड का निर्गम मूल्य 5,561 रुपए प्रति ग्राम है। केंद्रीय बैंक दरअसल भारत सरकार की तरफ से स्वर्ण बॉन्ड जारी करता है। ये निवासी व्यक्तियों, अविभाजित हिंदू परिवार (एचयूएफ), न्यासों, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थाओं को ही बेचे जा सकते है। अभिदान की अधिकतम सीमा व्यक्तियों के लिए चार किलोग्राम, एचयूएफ के लिए चार किलोग्राम और न्यासों तथा समान संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम प्रति वित्त वर्ष है। सोने की भौतिक मांग को कम करने के इरादे से सबसे पहले गोल्ड बांड योजना नवंबर, 2015 में लाई गई थी।

एप्पल आईफोन में अपने खुद के 5जी मॉडम का कर सकता है इस्तेमाल

सैन फ्रांसिस्को । (एजेंसी)

चिप निर्माता क्वालकॉम के सीईओ ने कहा कि यह उम्मीद कर रहा है कि बार्सिलोना में मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस (एमडब्ल्यूसी) 2023 में एप्पल अपने 2024 आईफोन के लिए इन-हाउस 5जी मॉडम चिप्स बनाने में आगे बढ़ सकता है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि एप्पल के सबसे हालिया आईफोन 14 मॉडल क्वालकॉम मोडेम का उपयोग करते हैं, कंपनी कई वर्षों से वायरलेस कनेक्टिविटी बाजार में अकेले जाने का प्रयास कर रही है।क्वालकॉम के सीईओ क्रिस्टियानो अमोन ने कहा` कि हम 2024 के लिए कोई योजना नहीं बना रहे हैं, मेरी योजना धारणा है कि हम 2024 में (एप्पल) एक मॉडेम प्रदान नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह उनका निर्णय है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेक दिग्गज ने 2019 में इंटेल का मॉडम बिजनेस खरीदा था और ऐसी अटकलें थीं कि वह इस साल इन-हाउस पार्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू कर देगी। एमोन ने कहा कि क्वालकॉम ने 2021 में निवेशकों से कहा था कि उसे 2023 में आईफोन के लिए मॉडम प्रदान करने की उम्मीद नहीं है, लेकिन एप्पल ने फिर एक और साल जारी रखने का फैसला किया। जैसा कि रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि हालांकि, उन्होंने पुष्टि नहीं की कि क्या एप्पल क्वालकॉम क्यूटीएल लाइसेंस का भुगतान करेगा यदि वह अपने स्वयं के मोडेम में जाता है, लेकिन कहा कि रॉयल्टी एक चिप

प्रदान करने से स्वतंत्र थी। इस बीच, क्वालकॉम ने घोषणा की है कि उसकी स्नैपड्रैगन उपग्रह तकनीक अधिकांश एंड्रॉइड स्मार्टफोन में आ रही है। कंपनी ने कहा कि ऑनर, मोटोरोला, नथिंग, ओप्पो, वीवो और शाओमी के आने वाले स्मार्टफोन्स में स्नैपड्रैगन सैटेलाइट का इस्तेमाल किया जाएगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट

मुंबई ।(एजेंसी)

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 32.5 करोड़ डॉलर घटकर 560.942 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट जारी रही। पिछले समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 5.68 अरब डॉलर घटकर 561.267 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले, अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट देखी जा रही है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 24 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में, मुद्राभंडार का अहम हिस्से, विदेशीमुद्रा आस्तियां 16.6 करोड़ डॉलर घटकर 495.906 अरब डॉलर रह गई। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट जारी रही और स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 6.6 करोड़ डॉलर कम होकर 41.751 अरब डॉलर रह गया। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी आठ करोड़ डॉलर घटकर 18.187 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में रखा देश का मुद्रा भंडार 1.2 करोड़ डॉलर घटकर 5.098 अरब डॉलर रह गया।

कच्चा तेल महंगा, कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल में बदलाव

ब्रेंट क्रूड 1.08 डॉलर उछलकर 85.83 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में शनिवार को कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.52 डॉलर (1.94 फीसदी) बढ़कर 79.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। उधर, ब्रेंट क्रूड 1.08 डॉलर उछलकर 85.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। कच्चा तेल पिछले काफी समय से इन्हीं दामों के आसपास कारोबार कर रहा है। देश में तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में संशोधन किया है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम बदले हुए नजर आ रहे हैं। बिहार में पेट्रोल 28 पैसे महंगा होकर 109.15 रुपए है। डीजल यहां 26 पैसे महंगा हुआ है और इसकी कीमत 95.80 रुपए प्रति लीटर है। हरियाणा में पेट्रोल 26 पैसे और डीजल 25 पैसे बढ़ा है। हिमाचल में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 49 पैसे बढ़ी हैं। इसी तरह झारखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और त्रिपुरा में पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ है। दूसरी ओर तेलंगाना में पेट्रोल 1.48 रुपये गिरकर 110.35 रुपए और डीजल 1.39 रुपए की गिरावट के साथ 98.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। राजस्थान में पेट्रोल 59 पैसे और उत्तर प्रदेश में 47 पैसे नीचे आया है। दोनों राज्यों में डीजल की कीमतों में क्रमशः 53 पैसे और 46 पैसे की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

फॉक्सकॉन भारत में करेगी 576 करोड़ का निवेश

- फॉक्सकॉन के निवेश से भारत में लगभग 100,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद

मुंबई ।(एजेंसी)

एप्पलि इंक की पार्टनर फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप ने स्थानीय उत्पादन को बढ़ाने के लिए भारत में एक प्लांट स्थापित करने की योजना बना रही है, जिसके लिए वह लगभग 700 मिलियन यानी 576 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यह निवेश भारत में फॉक्सकॉन के अब तक के सबसे बड़े इन्वेस्टमेंट में से एक है। ब्लूमबर्ग ने एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन को अपनी फ्लैगशिप यूनिट होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री कंपनी के लिए भी जाना जाता है। कंपनी ने दक्षिणी भारतीय राज्य कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में हवाई अड्डे के करीब 300 एकड़ की साइट पर आईफोन के तमाम तरह के पार्ट और पुर्जे बनाने के लिए प्लांट स्थापित करने की योजना बनाई है। जानकारों का कहना है कि फैक्ट्री एप्पल के हैंडसेट को भी यहां असेंबल कर सकती है। इसके अलावा कुछ लोगों कहना है कि फॉक्सकॉन अपने नए इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार के लिए भी यहां कुछ उत्पादन कर सकती है। फॉक्सकॉन का भारत में निवेश

चीन के लिए चिंता का विषय है। पिछले कई सालों से हम देख रहे हैं चीन में स्थापित कंपनियां भारत को अपना नया ठिकाना बनाती जा रही हैं। फॉक्सकॉन के इस निवेश से पता चलता है कि कैसे चीन को कंज्यूमर्स इलेक्ट्रॉनिक्स के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में अपनी स्थिति खोने का खतरा मंडरा रहा है। अगर चीन को लेकर वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ता है तो भारत को आने वाले समय में और फायदा होने की उम्मीद है। फॉक्सकॉन के इस निवेश से भारत में लगभग 100,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। चीनी शहर झेंग्झौ में कंपनी का विशाल आईफोन असेंबली कॉम्प्लेक्स इस समय लगभग 200,000 को रोजगार देता है, हालांकि पीक प्रोडक्शन सीजन के दौरान यह संख्या बढ़ जाती है। होन हाई के अध्यक्ष यंग लियू ने इस सप्ताह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। हालांकि निवेश से जुड़ी योजनाओं पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। कर्नाटक सरकार ने भी तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

मेसी को मिली धमकी

ब्यूनस आयर्स । अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार फुटबॉलर लियोनन मेसी को धमकी मिली है। मेसी को ये धमकी रोसारियो में एक सुपरमार्केट पर हमला करने वाले बंदूकधारियों से दी। इसमे कहा गया कि हम आपका इंतजार कर रहे हैं। यहां के लावेल जिले में स्थित फूड स्टोर 'यूनिको' मेसी की पत्नी एंटोनेला रोक्कुजो के परिवार का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह हमलावारों ने स्टोर के शटर और दरवाजे पर फायरिंग की। वहीं पुलिस के अनुसार इस मामले में दो व्यक्तियों को मोटरसाइकिल पर भागते देखा गया है। उन्होंने ही मेसी के लिए धमकी भरे संदेश लिखे थे। गोलीबारी से स्टोर काफी क्षतग्रस्त हुआ है। बंदूकधारियों के संदेश में लिखा था, मेसी, हम आपका इंतजार कर रहे हैं। जेवकिन एक ड्रग डीलर है। वह आपकी देखभाल नहीं करने वाला है। इन संदेशों में रोसारियो शहर के मेयर पाब्लो जेवकिन पर भी निशाना साधा गया है। रोसारियो ब्यूनस आयर्स से 300 किलोमीटर उत्तर में अर्जेंटीना के सांता फे के केंद्रीय प्रांत का सबसे बड़ा शहर है। अर्जेंटीना की विश्वकप विजेता टीम के कप्तान मेसी का हाल ही में फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी 2022 का खिताब मिला था। उन्होंने गत वर्ष कतर में आयोजित फीफा विश्व कप में अपनी देश को तीसरा बार जीत दिलायी थी।

गत विजेता डीएफए धार की टीम सीनियर महिला राज्य फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेगी

सरदारपुर और धार की प्रतिभावान खिलाड़ी खिताब को बरकरार रखने के लिए तैयार है।

(एजेंसी)

धार (निप्र)डीएफए धार महिला टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए बालाघाट (म.प्र.)में मार्च के प्रथम सप्ताह में शुरू होने जा रही राज्य सीनियर महिला फुटबॉल स्पर्धा में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। डीएफए सचिव सुभाष डेविड ने बताया की डीएफए धार टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई। डीएफए धार का पहला मुकाबला डीएफए खरगोन से होगा। धार ,खरगोन, जबलपुर, हरदा, छिंदवाड़ा, बालाघाट ,खरगोन, सिंगरौली सहित प्रदेश की 16 श्रेष्ठ टीमें राज्य स्पर्धा में भाग लेगी इस राज्य स्पर्धा के माध्यम से मध्यप्रदेश सीनियर महिला फुटबॉल टीम का चयन किया जाएगा ।मध्यप्रदेश टीम आगामी 26 मार्च से छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेगी।

डीएफए कार्यकारी अध्यक्ष श्री शमशेर सिंह यादव द्वारा सरदारपुर और धार की प्रतिभावान फुटबॉल खिलाड़ियों से सुसज्जित 16 सदस्य डीएफए धार टीम की घोषणा की गई। चीफ कोच शैलेंद्र पाल ,कोच ज्योति परमार, चीफ मैनेजर सुनीता भाबर और मैनेजर लखन भाटिया को बनाया गया है।

डीएफए टीम इस प्रकार है - गोलकीपर - दीपिका चौहान और कविता नाथ । रक्षा पंक्ति - चंचल खराड़ी ,पायल चौहान ,संस्कृति यादव, स्नेहा खराड़ी और राधिका नरेंद्र। मध्य पंक्ति - सुनीता भाबर, नेहा मकवाना, प्रिया सोलंकी, कंचन चतुर्वेदी, रक्षा खराड़ी। आक्रमण पंक्ति - किरण श्रवण, आरती गणपत टीना चौहान, और बुलबुल श्रवण।

राज्य फुटबॉल स्पर्धा में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य प्रताप सिंह, वरिष्ठ प्रशिक्षक शमशेर सिंह यादव, डीएफए सचिव सुभाष डेविड, फुटबॉल प्रशिक्षक राजीव डेविड, संतोष पुरोहित , शैलेंद्र पाल, संतोष राव, सुंदर रायकवार, मनोज चौहान, उत्कर्ष डेविड, लेखराज मकवाना, मोहित यादव, आशीष अमिलियार ,लखन भाटिया, राहुल पाल , सुश्री ज्योति चौहान, श्रीमती शलाका हिवाले डेविड, श्रीमती कल्पना यादव, श्रीमती हंसारानी डेविड, श्रीमती अमृता पांडे , सुश्री लक्ष्मी खड़ूसकर तथा ईशा मकवाना ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

यशस्वी ने ईरानी कप में बनाया नया रिकार्ड

मुम्बई । युवा बल्लेबजा यशस्वी जायसवाल ने ईरानी कप 2023 के खितावी मुकाबले में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस टूर्नामेंट में शेष भारत की ओर से उतरे यशस्वी ने फाइनल मुकाबले के चौथे दिन ही एक तेज शतक लगाया। इस बल्लेबाज ने ये शतक 103 गेंदों में ही लगा दिया। इसी के साथ ही उन्होंने ईरानी कप में नया रिकार्ड अपने नाम किया है। यशस्वी ईरानी कप फाइनल में दोहरा शतक और फिर शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। यह उपलब्धि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर को भी नहीं मिली थी। जायसवाल ने पहली पारी में 259 गेंदों में 213 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद इस बल्लेबाज ने दूसरी पारी में भी शतक लगा दिया। यह उनका प्रथम श्रेणी क्रिकेट का 8वां शतक है। इसी के साथ जायसवाल ईरानी कप के फाइनल में दोहरे शतक के साथ एक शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। उनसे पहले शिखर धवन के नाम फाइनल में दोनों पारियों में शतक का रिकार्ड था पर वह दोहरा शतक नहीं लगा पाये थे। यशस्वी के शानदार प्रदर्शन से शेष भारत ने पहली पारी में 484 रन बनाए थे, जिसमें अभिमन्यू ईश्वरन के 154 रन भी शामिल रहे। वहीं मध्य प्रदेश की टीम अपनी पहली पारी में 294 रन ही बना पायी। इस प्रकार शेष भारत ने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। यशस्वी ईरानी कप में दोहरा शतक जमाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 21 साल और 64 दिन की उम्र में यह मुकाम हासिल किया है। वहीं धवन ने यह कारनामा साल 2011 के संस्करण में राजस्थान के खिलाफ जयपुर में किया था। तब उन्होंने पहली पारी में 177 और दूसरी पारी में उन्होंने 155 रन बनाए थे।

सचिन ने साझा की तस्वीर, कुंबले और युवराज के साथ नजर आये

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सोशल मीडिया के जरिये अपने प्रशंसकों से जुड़े रहते हैं। अब सचिन ने गोवा की एक तस्वीर साझा की है। इसमें वह दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले और आक्रामक ऑलराउंडर युवराज सिंह के साथ नजर आ रहे हैं। कुंबले इस तस्वीर में सचिन और युवराज के साथ सेल्फी लेते हुए भी दिख रहे हैं। सचिन ने इस तस्वीर के साथ लिखा, गोवा में हमारा दिल चाहता है मूमेंट, आपको क्या लगता है कि इनमें से आकाश, समीर और सिड कौन है? गौरतलब है कि साल 2001 में अभिनेता आमिर खान, सैफ अली खान और अक्षय खन्ना की फिल्म दिल चाहता है रिलीज हुई थी। वह फिल्म पूरी तरह से दोस्ती के ऊपर बनाई गई थी। उसी के पात्र थे आकाश, समीर और सिड। सचिन, कुंबले और युवराज की इस सेल्फी को सोशल मीडिया में काफी पसंद किया जा रहा है। इसपर 14 घंटे में ही 8 लाख से ज्यादा लाइक मिले हैं। प्रशंसकों के साथ ही क्रिकेटरों ने भी इस पर जमकर कॉमेंट किये हैं। सचिन, कुंबले और युवराज भारतीय क्रिकेट के ऐसे खिलाड़ी रहे है जिन्होंने अपने करियर के दौरान टीम को कई मुकाबले जिताए हैं। तेंदुलकर और युवराज साल 2011 की एकदिवसीय विश्वकप विजेता टीम में भी शामिल थे।

आईसीसी मापदंड पर खरी नहीं उतर रहीं भारतीय पिचें

पिछले चार बार से औसत से कम स्तर की पायीं गयीं

मुम्बई ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे मैच के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के निशाने पर भारतीय पिचें हैं। आईसीसी ने इंदौर की पिच को खराब बताया है। इससे पहले भी भारत में खेले गए पिछले चार मुकाबलों की करें तो आईसीसी ने नागपुर और दिल्ली की पिच को औसत जबकि बेंगलुरु की पिच को औसत से नीचे और इंदौर की पिच को खराब बताया। ऑस्ट्रेलिया से पहले भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दो मैच की टेस्ट सीरीज खेली थी उसमें भी पिच पर सवाल उठे थे। उस सीरीज का अंतिम मैच बेंगलुरु में खेला गया था। यह टेस्ट भी तीन दिन के अंदर ही समाप्त को गया था। इंदौर टेस्ट के बाद एक और आंकड़ा सामने निकलकर आया है। भारत की यह टेस्ट क्रिकेट में पिछले एक दशक में घर में तीसरी हार है और हैरानी की बात यह है कि इनमें से जो दो टेस्ट भारत हारा है उस मैच की पिचों को आईसीसी ने खराब करार दिया। इसके अलावा बात भारत में खेले गए आखिरी 10 टेस्ट मैचों की करें तो केवल एक ही मैच 5 दिन तक चला है। वहीं 6 मैच तीन दिन के अंदर समाप्त हुए और दो मैच चार दिन में ही समाप्त हो गये जबकि एक मैच दो दिन में ही समाप्त हो गया था।

इंदौर की पिच को तीन नकारात्मक अंक दिये

आईसीसी ने इंदौर के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम की पिच को खराब बताते हुए तीन नकारात्मक अंक दिये हैं। आईसीसी मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने मैच अधिकारियों की चिंताओं को व्यक्त करते हुए और दोनों टीमों के कप्तानों के साथ परामर्श के बाद उन्होंने आईसीसी को अपनी रिपोर्ट सौंपी। उन मूल्यांकन के बाद आयोजन स्थल को तीन नकारात्मक अंक दिए गए हैं। इस मैच की रिपोर्ट बीसीसीआई को भेज दी गई है। बोर्ड इस मामले में 14 दिनों के अंदर अपील कर सकता है

संक्षिप्त समाचार

इंदौर की पिच को खराब दिये जाने से नाराज गावस्कर ने गाबा का उदाहरण दिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईसीसी के इंदौर की पिच को खराब करार दिये जाने पर नाराजगी जताय है। गावस्कर ने इस मामले में ऑस्ट्रेलिय के गाबा की पिच का उदाहरण दिया और कहा कि कि वहां दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट दो दिनों में ही खत्म हो गया था। गावस्कर ने कहा, एक बात मैं जानना चाहूंगा, नवंबर में ब्रिस्बेन गाबा में यह टेस्ट मैच था, जहां मैच 2 दिन में ही समाप्त हो गया। उस पिच को कितने नकारात्मक अंक मिले और वहां मैच रेफरी कौन था यह मैं जानना चाहता हूं। इससे पहले इंदौर की पिच को खराब रेटिंग देते हुए आईसीसी मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने दावा किया कि यह शुरू से ही स्पिनरों का पक्ष ले रही थी और यह बल्ले और गेंद के बीच संतुलित प्रतिस्पर्धा प्रदान नहीं करती। ब्रॉड ने कहा, पिच बहुत सूखी थी, शुरू से ही स्पिनरों के पक्ष में थी, बल्ले और गेंद के बीच यह संतुलन प्रदान नहीं करती थी।

अतिआत्मविश्वास बना भारतीय टीम की हार का कारण : मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि तीसरे टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम की हार का कारण अति आत्मविश्वास रहा। मांजरेकर के अनुसार पहले दो मैचों में जीत से भारतीय टीम को लगने लगा था कि वह आसानी से जीत जाएगी। वहीं तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसा दिया। मांजरेकर ने कहा कि भारतीय टीम ने पिच का ठीक से आंकलन करने से पहले खेल पर थोड़ा हावी होने की कोशिश की, इससे टीम लड़खड़ा गयी। उन्होंने कहा, मुझे यह लगा कि भारतीय टीम अभी तक श्रृंखला में अपने दबदबे को लेकर आश्वस्त थी। इसी लिए भारतीय टीम ने टॉस जीतने के साथ ही बल्लेबाजी का फैसला कर लिया। भारतीय बल्लेबाजों ने मैदान पर उतरने के बाद पिच का आंकलन किये बिना ही शॉट लगाने शुरु कर दिये। ये शॉट्स इस भरोसे पर लगाये गये थे कि हमें पिच की जानकारी है। यहीं टीम से गलती हो गयी। मांजरेकर ने आर अश्विन और उमेश यादव की ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में मिलकर गेंदबाजी करने पर कहा, यह एक शानदार प्रयोग था। मुझे लगा कि जडेजा के साथ अश्विन का थोड़ा अतिरिक्त जुड़ाव था, उन्हें एकमात्र गेंदबाज के रूप में देखते हुए जो आपको विकेट दिलाने वाला था और एक बार जब उन्होंने अपना ध्यान अश्विन और यहां तक कि उमेश पर लगाया, तो खेल पूरी तरह से बदल गया।

अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम को तलाशना होगा स्मिथ की रणनीति का जवाब

6 साल पहले भी स्मिथ की कप्तानी में जीती थी ऑस्ट्रेलियाई टीम

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम अब बॉर्डर गावस्कर सीरीज के चौथे और अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सीरीज पर कब्जा करने के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए भी क्वालीफाई करने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम की राह हालांकि आसान नजर नहीं आती है क्योंकि मेहमान टीम की कप्तानी अब स्टीव स्मिथ के पास है। उसी स्मिथ के पास जिसकी चालें भारतीय टीम समझ नहीं पाती है। पहले दो टेस्ट में मिली हार के बाद जैसे ही स्मिथ ने टीम की कमान संभाली सब कुछ बदल गया। कंगारुओं ने तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में वापसी का प्रयास किया है। इस खिलाड़ी ने 6 साल पहले ही भारत को झटका दिया था। स्मिथ की कप्तानी में साल 2016-17 बॉर्डर गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम जीती थी।

गत 46 टेस्ट में भारतीय टीम को कुल मिलाकर तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इसमें से एक मुकाबला इंग्लैंड जबकि दो मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं और दोनो ही बार टीम की कपनी स्मिथ के पास थी। इस हार के बाद यह साफ है कि स्मिथ की रणनीति भारतीय टीम समझ नहीं पाती है। इस सबके बीच ही 9 मार्च से होने वाला अंतिम टेस्ट अब और भी रोमांचक रहेगा क्योंकि दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी।

टेलर ने बॉर्डर.गावस्कर ट्रॉफी के लिए खराब पिच बनाने का आरोप लगाया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मार्क टेलर ने आरोप लगाया है कि बॉर्डर.गावस्कर ट्रॉफी के लिए अब तक इस्तेमाल की गई सभी तीनों पिचें खराब रही हैं। टेलर के अनुसार ये सभी चालाकी से तैयार की गयी हैं जिससे की मेजबान टीम को लाभ मिल सके। भारतीय टीम अभी सीरीज में 2.1 से आगे हैं। अब अहमदाबाद में होने वाले अंतिम टेस्ट में देखना है कि पिच कैसी रहती है। नागपुर और नई दिल्ली की पिचों को आईसीसी ने औसत रेटिंग दी जबकि इंदौर की पिच को खराब बताया है। इसके साथ ही इंदौर पिच को नकारात्मक अंक भी मिले हैं। ये अंक पांच साल की अवधि के लिए बने रहेंगे। टेलर ने कहा कि इंदौर की पिच को खराब रेटिंग दिया जाना सही था। उन्होंने कहाए मैं इससे सहमत हूं। मुझे निश्चित रूप से लगता है कि श्रृंखला के लिए पिचें पूरी तरह से खराब रही हैं। इंदौर की पिच तीनों में से सबसे खराब थी। मुझे नहीं लगता कि पिच पर पहले दिन से ही स्पिनरों को इतनी सहायत मिलनी चाहिए। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहाए प्पैच के चौथे या पांचवें दिन अगर ऐसा होता है तो बात और होती पर अगर पहले दिन से ही गेंद इतना अधिक टर्न ले तो यह खराब पिच के कारण होता है।

गत विजेता डीएफए धार की टीम सीनियर महिला राज्य फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेगी

सरदारपुर और धार की प्रतिभावान खिलाड़ी खिताब को बरकरार रखने के लिए तैयार है।

धार (निप्र)डीएफए धार महिला टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए बालाघाट (म.प्र.)में मार्च के प्रथम सप्ताह में शुरू होने जा रही राज्य सीनियर महिला फुटबॉल स्पर्धा में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। डीएफए सचिव सुभाष डेविड ने बताया की डीएफए धार टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गई। डीएफए धार का पहला मुकाबला डीएफए खरगोन से होगा। धार ,खरगोन, जबलपुर, हरदा, छिंदवाड़ा, बालाघाट ,खरगोन, सिंगरौली सहित प्रदेश की 16 श्रेष्ठ टीमें राज्य स्पर्धा में भाग लेगी इस राज्य स्पर्धा के माध्यम से मध्यप्रदेश सीनियर महिला फुटबॉल टीम का चयन किया जाएगा ।मध्यप्रदेश टीम आगामी 26 मार्च से छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय फुटबॉल स्पर्धा में भाग लेगी। डीएफए कार्यकारी अध्यक्ष श्री शमशेर सिंह यादव द्वारा सरदारपुर और धार की प्रतिभावान फुटबॉल खिलाड़ियों से सुसज्जित 16 सदस्य डीएफए धार टीम की घोषणा की गई। चीफ कोच शैलेंद्र पाल ,कोच ज्योति परमार, चीफ मैनेजर सुनीता भाबर और मैनेजर लखन भाटिया को बनाया गया है।

डीएफए टीम इस प्रकार है - गोलकीपर - दीपिका चौहान और कविता नाथ । रक्षा पंक्ति - चंचल खराड़ी ,पायल चौहान ,संस्कृति यादव, स्नेहा खराड़ी और राधिका नरेंद्र। मध्य पंक्ति - सुनीता भाबर, नेहा मकवाना, प्रिया सोलंकी, कंचन चतुर्वेदी, रक्षा खराड़ी। आक्रमण पंक्ति - किरण श्रवण, आरती गणपत टीना चौहान, और बुलबुल श्रवण।

राज्य फुटबॉल स्पर्धा में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुलिस अधीक्षक श्री आदित्य प्रताप सिंह, वरिष्ठ प्रशिक्षक शमशेर सिंह यादव, डीएफए सचिव सुभाष डेविड, फुटबॉल प्रशिक्षक राजीव डेविड, संतोष पुरोहित , शैलेंद्र पाल, संतोष राव, सुंदर रायकवार, मनोज चौहान, उत्कर्ष डेविड, लेखराज मकवाना, मोहित यादव, आशीष अमिलियार ,लखन भाटिया, राहुल पाल , सुश्री ज्योति चौहान, श्रीमती शलाका हिवाले डेविड, श्रीमती कल्पना यादव, श्रीमती हंसारानी डेविड, श्रीमती अमृता पांडे , सुश्री लक्ष्मी खड़ूसकर तथा ईशा मकवाना ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

रोहित ने खोया धोनी के खास क्लब में शामिल होने का अवसर

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट में मिली हार के साथ ही पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के एक खास क्लब में प्रवेश का अवसर गंवा दिया। पहले दो मैच जीतकर रोहित के पास धोनी की तरह ही क्लीन स्वीप का अच्छा अवसर था। पहले दो मैचों के बाद लग रहा था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम सीरीज में 4-0 से हारेगी पर तीसरे टेस्ट के परिणाम ने इस पर पानी फेर दिया। गौरतलब है कि धोनी एकमात्र ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने घरेलू घरती पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्लीन स्वीप किया था। उनसे पहले यह उपलब्धि किसी अन्य कप्तान ने हासिल नहीं की थी। धोनी ने यह रिकार्ड साल 2013 में रचा था। भारत दौरे पर आई कंगारू टीम को भारत ने उस समय 4-0 से हराया था। साल 2017 में जब इससे पहले स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया भारत दौरे पर आया था तो भारत ने 2-1 से सीरीज जीती थी। कंगारुओं ने सीरीज का पहला ही मैच 333 रनों के अंतर से जीतकर तहलका मचा दिया था, मगर इसके बाद विराट की कप्तानी में भारतीय टीम ने जोरदार वापसी करते हुए अगले तीन में से दो मैच जीते थे। इस सीरीज का एक मैच ड्रॉ रहा था। वहीं रोहित के पास सीरीज के पहले दो मैच जीतकर धोनी के इस खास क्लब में शामिल होने का शानदार अवसर था, मगर वह नाकाम रहे। अब भारतीय कप्तान की नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट में टीम इंडिया को जीत दिलाकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करने पर रहेंगी।

जिस मैदान पर घास काटते थे लायन उसी से शुरु हुआ था क्रिकेटर सफर

मुम्बई । भारत दौरे में तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लायन की स्पिन का भारतीय बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। लायन के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलियाई टीम को तीसरे दिन ही टेस्ट में जीत मिली। लायन ने अपनी दूसरी पारी में कुल मिलाकर आठ विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी को ढ़हा दिया। लायन आज ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर हैं पर उनका यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। वह कभी एडिलेड ओवल मैदान पर घास काटते थे। लायन ने एक बार कहा था, मैदान की घास काटने के लिए मैं साढ़े पांच बजे उठ जाता था पर घास काटने वाली बात को लेकर मैं करियर के दौरान कभी चिंतित नहीं रहा। बाद में लायन को उसी एडिलेड मैदान पर जनवरी 2012 में टेस्ट मैच खेलने का अवसर मिला था। इस इस गेंदबाज ने कुल पांच विकेट लिए थे। लायन को यहां तक पहुंचाने में रेडबैक्स के कोच डैरेन बेरी की अहम भूमिका रही थी। रेडबैक्स की टीम को एक अभ्यास मुकाबले के लिए गेंदबाज की कमी महसूस हो रही थी। बेरी को जब पता चला कि लायन जूनियर लेवल पर अच्छे गेंदबाज रह चुके हैं तो उन्होंने उस मैच के लिए लायन को अपनी टीम में जगह दी। लायन ने अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया और वह कुछ समय के अंदर ही बेहतर गेंदबाज बन गये। लायन ने साल 2011 में श्रीलंका के खिलाफ गाले टेस्ट से अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उसे बाद से ही लायन ने अबतक 118 टेस्ट मैचों में 31.11 के औसल से 479 विकेट लिए हैं हालांकि वह एकदिवसीय में अधिक सफल नहीं रहे और कुल 30 विकेट ही ले पाए हैं.

गुजरात में बेमौसमी बारिश के बीच एक और बरसाती सिस्टम सक्रिय होने की संभावना

अहमदाबाद। गुजरात में कई जगह बेमौसमी बारिश होने के बीच मौसम विभाग ने एक और बरसाती सिस्टम सक्रिय होने की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने शनिवार की रात कच्छ, देवभूमि द्वारका, जामनगर, भावनगर, अमरेली, जूनागढ़, बोटाद, डांग, नर्मदा, दाहोद और बनासकांठा बेमौसमी बारिश के साथ ही 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना व्यक्त की है। साथ ही दो दिन बाद राज्य में एक और बरसाती सिस्टम के सक्रिय होने की भविष्यवाणी की है। अगले 48 घंटों में राज्य के वातावरण बदलने से सौराष्ट्र, उत्तर गुजरात और दक्षिण गुजरात में मावठ की संभावना है। फिलहाल उत्तर गुजरात, दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में कई जगह बेमौसमी बारिश हो सकती है। बरसाती सिस्टम के सक्रिय होने से वातावरण में नमी बढ़ेगी और राज्य में दिन के दौरान उमस का अहसास होगा। बेमौसमी बारिश के साथ लोगों को गर्मी का कहर भी बर्दाश्त करना होगा। मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल 2 से 5 डिग्री तापमान सामान्य से अधिक रहेगा।

लेकिन उसके बाद मौसम में बदलाव होगा और बेमौसमी बारिश होगी। फिलहाल राज्य में हिटवेव की कोई संभावना नहीं है। राज्य में मार्च से मई महीने तक औसत 4 से 6 डिग्री तापमान में वृद्धि होगी और सामान्य से अधिक गर्मी महसूस होगी। वहीं जून महीने के पहले सप्ताह सबसे अधिक तापमान दर्ज होगा। मई महीने में भी गर्मी कहर बरपाएगी। मार्च महीने में गर्मी का पारा 41 डिग्री तक जा सकता है और इस साल गुजरात में गर्मी का पारा 50 डिग्री को पार सकता है।

धूम्रपान सेहत के लिए हानिकारक है, एक कश लगाते ही युवक ने गंवाई आवाज

राजकोट। धूम्रपान सेहत के लिए हानिकारक है ऐसी चेतावनी कई जगह लिखी देखने को मिल जाती है। धूम्रपान से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों के रोग से बचने के लिए धूम्रपान ना करने की हिदायत दी जाती है। लंबे समय तक धूम्रपान करने से कैंसर इत्यादि की बीमारी होने की बात सुनी होगी, लेकिन सिगरेट का एक कश लगाने के साथ आवाज गंवाने की घटना पहली बार सुनी है। यह चौंकानेवाली घटना राजकोट की है। जहां एक शख्स पशुओं को चरा रहा था। तब एक अज्ञात व्यक्ति ने युवक को पीने के लिए सिगरेट दी। सिगरेट पीते ही युवक की तबियत बिगड़ गई और उसे उपचार के लिए राजकोट के अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिगरेट पीने से युवक की आवाज जाने की खबर के बाद धूम्रपान करने वालों में दहशत फैल गई। धूम्रपान से गंभीर बीमारियों के बारे में सुना है जो जान तक ले सकती हैं। लेकिन धूम्रपान और वह भी एक कश लगाने के बाद तुरंत आवाज गंवाने की घटना शायद ही सुनी होगी। सर्वोदय होस्पिटल एन्ड रिसर्च सेंटर के इन्टरनल मेडिसिन स्पेश्यालिस्ट और जनरल फिजिशियन डॉ. सुमित अग्रवाल के मुताबिक लंबे समय तक धूम्रपान करने से गले में दर्द हो सकता है, लेकिन इस मामले में और रिसर्च करने की जरूरत है। सिगरेट पीने से इस प्रकार आवाज को नुकसान नहीं पहुंचाती। उसके कई दुष्प्रभाव है लेकिन कंठस्थान पर तुरंत उसका प्रभाव देखने को नहीं मिलता।

गुजरात साइंस सिटी, अहमदाबाद में साइंस कार्निवल 2023 में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 1 लाख से अधिक आगंतुकों और छात्रों ने भाग लिया

अहमदाबाद। गुजरात सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वावधान में काम कर रहे गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस सिटी और गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (गुजकॉस्ट) ने गुजरात साइंस सिटी में 28 फरवरी से 4 मार्च तक 5 दिवसीय साइंस कार्निवल का आयोजन किया जिसमें वैज्ञानिक संस्थानों, स्कूल और कॉलेज के छात्रों, राज्य और देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों के साथ वैज्ञानिक गतिविधियों और कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर इस 5 दिवसीय कार्निवल का उद्घाटन साइंस सिटी अहमदाबाद श्री राज कुमार-आईएएस, मुख्य सचिव, गुजरात सरकार, सचिव, डीएसटी, गुजरात सरकार, श्री विजय नेहरा, निदेशक सैक-इसरो, अहमदाबाद श्री नीलेश एम. देसाई, कार्यकारी निदेशक, गुजरात सरकार GCSC श्री जे.बी.वदर अहमदाबाद मेयल श्री किरीटभाई, सलाहकार, गुजकोस्ट डॉ. नरोत्तम साहू और विभिन्न विद्यालयों के बच्चे-शिक्षक, विज्ञान-प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी साइंस कार्निवाल के उद्घाटन के अवसर परउपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल ने हमारी अगली पीढ़ी को भविष्य की तकनीक से करने के लिए गूगल जैसी नामी कंपनियों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और गूगल द्वारा अगले 3 सप्ताह में 10,000 लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा। श्री पटेल ने छात्रों को प्रौद्योगिकी और आधुनिक शिक्षा से लैस करने के लिए माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि "आने वाले दिनों में हम गांव और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को साइंस सिटी जैसी सुविधाएं देकर ज्ञान आधारित समाज का निर्माण करना चाहते हैं।

लाखों भक्तों ने किये खाटूधाम के दर्शन, श्री श्याम फाल्गुन मेला का हुआ समापन

सूरत भूमि, सूरत।

श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में फाल्गुन माह के उपलक्ष में आयोजित फाल्गुन महोत्सव का शनिवार को समापन हुआ । श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा फाल्गुन महोत्सव में भजन संध्या समेत अनेकों कार्यकर्मों का आयोजन किया गया । पुरे फाल्गुन महोत्सव के दौरान श्याम मंदिर सुरतधाम का नज़ारा राजस्थान स्थित खाटूधाम का सामान दिखाई दे रहा था, मानो जैसे सुरतधाम ही खाटूधाम बन गया । इस दौरान लाखों भक्तों ने बाबा श्याम के दर्शन किये एवं हज़ारों भक्तों ने निशान अर्पण किये ।

महोत्सव के अंतिम दिन भी भक्तों ने बाबा को निशान अर्पण किये । सुबह आठ बजे से भक्तों द्वारा नव-विवाहित जोड़ों की जात एवं धोक एवं छोटे बच्चों के जडूले उतारे गए । शाम छः बजे से मंदिर प्रांगण में शेखावाटी के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा चंग धमाल पर भजनों की प्रस्तुति दी गयी । इस दौरान "बाबा श्याम के दरबार में खेला होली..." सहित अनेकों धमाल की प्रस्तुति दी गयी ।

फाल्गुन महोत्सव के दौरान मंदिर को भव्य सजाया गया एवं बाबा श्याम का आलौकिक श्रृंगार किया गया । सभी भक्तों को ट्रस्ट द्वारा महाप्रसाद एवं छप्पन भोग का वितरण किया गया । श्याम मंदिर पर आयोजित फाल्गुन मेले में सूरत ही नहीं अपितु सूरत के आस-पास के भक्त भी बाबा के दर्शन करने के लिए सुरतधाम आये । इस अवसर पर श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के सभी सदस्य उपस्थित रहें ।

फूलों की होली - श्री श्याम सेवा सेवा ट्रस्ट की महिला सदस्यों द्वारा फूलों की होली का आयोजन रविवार को शाम पाँच बजे से लखदातार हॉल में किया जाएगा । आयोजन में महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जायेगा ।

गुजरात राज्य वैभव बनासकांठा के प्रभारी जिनशासन को समर्पित कांकरेज समाज गौरव

सूरत।

वेसु के नवनिर्मित अग्रणी धनेरा आराधना भवन हॉल में जिनशासन को समर्पित कर्मठ कार्यकर्ता श्री सुरेशभाई देवचंद शाह की प्रथम मासिक पुण्यतिथि के अवसर पर गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। शनिवार को सुबह 10 बजे स्त्रात्रा-शंकेश्वर पार्श्वनाथ दादा की भक्ति के बाद बैठक शुरू हुई। कांकरेज समाज के विभिन्न नेताओं के साथ पूरा समाज मौजूद था।

शासन के समर्पण के बाद उन्हें गच्छाधिपतिश्री, विभिन्न समुदायों के आचार्यवरों के व्यक्तिगत श्रोता होने का सौभाग्य मिला और समाज-संघ और राजनीति में शामिल हुए और इस धर्मपरायण व्यक्ति द्वारा राज्य-राष्ट्र के हित में कई कार्य किए। इसलिए आचार्यश्री भी इस बैठक में शामिल हुए।

प्रारंभ में, वेसु-उपाश्रय के संस्थापक आ. सागरचंद्रसागरसूरिजी सुरेशभाई के 35 वर्ष के पूर्व से अरम्भी बनासकांठा के प्रभारी बने। सी. आर. पाटिल, और आगे मोदी साहब के संपर्कों की सफल यात्रा का वर्णन किया।

राष्ट्रसंत पू. आ. चंद्रनसागर सूरीश्वरजी, प्रा. आ. जीतरत्नसागरसूरिजी, पू.आ. पूर्णचंद्रसागरसु.म.सा. आदि पूज्य पहुंचे। मुक्ता माने

सुरेशभाई के कार्यों की सभी ने प्रशंसा की। धनेरा भवन के ट्रस्टी, कांकरेज समाज के नेता सहित अन्य समाज के नेता व कीर्तिसिंह वाघेला आदि उपस्थत थे। सुरेशभाई के असमय चले जाने से केवल उनकी पत्नी अवनिबेन, पुत्र स्पर्श, पुत्री स्तुति एम.एस. और भावेशभाई के रिश्तेदारों को दुख हुआ।

धार्मिक गतिविधियां कोरोना काल में धर्मपरायण, आस्थावान सुरेशभाई जनसेवा, समाज सेवा, राजनीति में सक्रियता, कई संस्थाओं में ट्रस्टीशिप आदि के माध्यम से हमेशा सार्वजनिक जीवन में जीवित रहे हैं।

स्काईव्यूबाय एम्पायरन6-12 मार्च तक महिलाओं के लिए सभी साहसिक गतिविधियों पर 50% की छूट प्रदान करता है

इस महिला दिवस, जम्मू में 22 एकड़ में फैले सुरम्य पटनीटॉप की साहसिक यात्रा पर जाएं; एशिया की सबसे ऊंची स्काईव्यू गोंडोला (रोपवे), एशिया की सबसे लंबी जिप लाइन की सवारी करें, लंबी पैदल यात्रा ट्रेल्स के लिए साइन अप करें या यहां तक कि आधी कीमत पर माउंटेन बाइकिंग करें! पार्टनर, परिवार या दोस्तों या अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए ऑफर खुला है।

स्काईव्यूबाय एम्पायरन, एम्पायरियन स्काईव्यू प्रोजेक्ट्स प्रा। लिमिटेड की पहल पहाड़ों में आतिथ्य और रोमांच को निर्बाध रूप से मिश्रित करने के लिए, अपनी संगीत घाटी 22-एकड़ की संपत्ति में एक बहुत ही विशेष महिला सप्ताह मनाने के लिए तैयार है। 6 से 12 मार्च तक, सभी महिला आगंतुक इस पर्वतीय बंदरगाह पर दी जाने वाली साहसिक गतिविधियों पर 50% की छूट का लाभ उठा सकती हैं।

मेहमान स्काईव्यू गोंडोला (रोपवे) पर सवारी के लिए जा सकते हैं, जो एशिया में उच्चतम सीईएन-प्रमाणित गोंडोल में से एक है, जो 10 मिनट में 2.8 किमी की दूरी तय करता है और मंत्रमुग्ध करने वाली और शानदार हिमालय पर्वत श्रृंखला के माध्यम से चढ़ता है। रास्ते में आप केवल 550 रुपये जीएसटी के प्रस्ताव मूल्य पर सीढ़ीदार घाटियों, देवदार के जंगलों, खिलने वाले फूलों, हरे-भरे घास के मैदानों और बर्फ से ढके पहाड़ों के सुंदर दृश्यों का आनंद ले सकते हैं।

इसके अलावा, मेहमान एशिया में सबसे लंबी जिग जैग जिप लाइन पर 50त्न छूट का आनंद ले सकते हैं, साथ ही माउंटेन बाइकिंग, मैजिक कार्पेट और ट्यूबिंग स्लेज, क्यूरेटेड ट्रेकिंग यात्रा कार्यक्रम, कैंपिंग या प्रकृतिवादी और ट्रेकिंग विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर निर्देशित अनुभव यादगार हो। आप प्रकृति की सैर का विकल्प भी चुन सकते हैं।

जो लोग खुद को या अपने प्रियजनों को इस क्षेत्र से कुछ खास उपहार देना चाहते हैं, वे पारंपरिक और प्रामाणिक कश्मीरी हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले हैंड्स ऑफ गोल्ड कारीगर बुटीक में जा सकते हैं।

एम्पायरियन महिला दिवस पैकेज द्वारा स्काईव्यू का लाभ 6-12 मार्च, 2023 के बीच लिया जा सकता है और इसमें सभी साहसिक गतिविधियों पर 50त्न की छूट, पूल/स्नूकर, फूस्बॉल, एयर हॉकी और बोर्ड गेम खेलने के लिए क्लब हाउस तक मुफ्त पहुंच शामिल है।

स्काईव्यूबाय एम्पायरन मेहमानों को रेस्तरां के साथ लक्ज़री कमरे और सुइट्स प्रदान करके लक्ज़री में परम प्रदान करता है। ऑन-प्रॉपर्टी बनाना लीफ रेस्तरां और स्काईव्यू कैफे स्वादिष्ट भारतीय, चीनी और कॉन्टिनेंटल व्यंजन पेश करते हैं। 3 से 26 मार्च के बीच संपत्ति पर आने वाले मेहमानों के लिए सप्ताहांत में एक विशेष उपचार है क्योंकि शेफ अनुज भगत द बनाना लीफ रेस्तरां में विभिन्न प्रकार के सुगंधित और मसालेदार थाई भोजन की एक विशेष मेनू पेश करेंगे।

शारदा मां अकादमी में सेमेस्टर 23 सीनियर केजी छात्रों का दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया

सूरत। छात्रों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें मंच पर लाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, 4 मार्च 2013 को शारदा मां अकादमी में सेमेस्टर 23 सीनियर केजी छात्रों का दीक्षांत समारोह और वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। वार्षिक समारोह में भक्ति से लेकर पारिवारिक मूल्यों, देशभक्ति जीवन में चुनौतियों का सामना, माता-पिता के प्यार, सामाजिक मुद्दों, आत्मरक्षा और कई अन्य विषयों पर सुंदर प्रस्तुतियां दी गईं। आदरणीय स्कूल ट्रस्टी एवं मंत्री श्री सावजीभाई पटेल प्रबंधक श्री जामिनभाई पटेल विशेष रूप से उपस्थत थे और अन्य आमंत्रित अतिथि थे श्री आनंदभाई जाजला (अध्यक्ष, स्वशासी स्कूल प्रबंधन बोर्ड सूरत), श्री विजानभाई झालावडिया (न्यायालय सहायक जिला न्यायालय, सूरत) और स्मृति जुनेजा (सहायक प्रोफेसर वनिता) विश्राम महिला विश्वविद्यालय सूरत ने अतिथि के रूप में अध्यक्षता की। बाल पुष्पो ने जीवन के विभिन्न रंगों को प्रकट करने के लिए विभिन्न कार्यों से सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्ति के साथ शुरू हुए उत्सव में छात्र जीवन, समाज और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक के रूप में कार्य करने वाले अभिभावकों को भी सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अभिभावक मित्रों द्वारा सम्मानित किया गया।

माता-पिता को संबोधन के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा सलाह और प्रशंसा के अनमोल शब्दों द्वारा गुट के सबसे यादगार क्षणों को चिह्नित किया गया। प्रत्येक छात्र को अपनी सफलता की यात्रा में और अधिक मील के पत्थर स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए खुशी के नोट के साथ उत्सव का समापन करते हुए, प्रशासक श्री जमानभाई पटेल ने सभी सामान दोस्तों को दरियादिली से धन्यवाद दिया। एवं बालभवन विभाग की प्रधानाध्यापिका एवं उपप्राचार्या सोनलबेन तथा धन्यवाद के साथ विशेष रूप से बधाई

कोटक सिल्क ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले गिफ्ट सिटी में "मेरी उड़ान, मेरी पहचान'' प्रतिमा का अनावरण किया

अहमदाबाद । कोटक महिन्द्रा बैंक लि. ("केएमबीएल" / "कोटक") ने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले, आज ही गिफ्टसिटी में विशेष रूप से तैयार की गई एक प्रतिमा का अनावरण किया है। इस प्रतिमा का नाम है च्मेरी उड़ान, मेरी पहचान'' और 21 फीट ऊँची यह प्रतिमा भारत की आत्मढनिर्भर महिलाओं के अदम्यम जोश को सलाम करती है और इसका लक्ष्य देशभर की महिलाओं को प्रेरित करना है।

विशेष रूप से तैयार की गई, यात्रा कर रही इस प्रतिमा को कारीगर शैला नाम्बियार ने डिजाइन किया है और यह भारत की उन महिलाओं के प्रति सम्मासन व्यरक्तब करती है, जो आत्म विश्वाकस के साथ अपने आर्थिक मामलों को संभाल रही हैं और आर्थिक आजादी की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इस प्रतिमा के कंधों पर लहरा रहा लाल कैप कोटक की पहचान के प्रतीक 'इनफिनिटी' से प्रेरित है और महिलाओं की असीमित शक्ति, मजबूती और दृढ़ता का प्रतीक है। यात्रा कर रही इस अनूठी प्रतिमा का अनावरण पिछले वर्ष गुरूग्राम में हुआ था। आज यह अहमदाबाद के पास गिफ्ट सिटी में पहुँची है।

गिफ्ट सिटी में आयोजित एक इवेंट में "मेरी उड़ान, मेरी पहचान'' नामक प्रतिमा का अनावरण मुख्यर अतिथियों- गुजरात सरकार के वित्तं विभाग की प्रधान सचिव (आर्थिक मामले) सुश्री मोना खंधर; अंतर्दिशा की प्रेसिडेंट, फ्लेम यूनिवर्सिटी की संस्थामपक एवं प्रेसिडेंट और आईआईएम ए की भूतपूर्व डीन डॉ. इंदिरा पारिख; फिक्की एफएलओ, अहमदाबाद चैप्टार की चेयरपर्सन डॉ. रचना गेमावत और एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज अहमदाबाद की प्रिंसिपल डॉ. राजुल गुज्जकर ने किया। इस अवसर पर कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड की पूर्णकालिक निदेशक सुश्री शांति एकम्बमरम, बैंक के सीनियर लीडर्स, कोटक के ग्राहक और विभिन्न संस्थाओं की प्रमुख महिला लीडर्स भी मौजूद थीं।

Ms. Shanti Ekambaram, Whole-time Director, Kotak Mahindra Bank Ltd ने कहा, "आज की महिलाएं सचमुच प्रेरक हैं, उनमें आजादी और मजबूती का भाव है, क्योंस्कि वे अपनी पहचान बना रही हैं और अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये बाधाओं को तोड़ रही हैं। जैसा कि ईपीएफओ का डेटा बताता है, ज्याहदा से ज्यादा महिलाएं वर्कफोर्स में आ रही हैं और अपनी आर्थिक आजादी का रास्ता बना रही हैं। #KotakSilk की #MeriUdaan, Meri Pehchaan ऐसी महिलाओं को सलाम करती है। हम जल्दीर ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने जा रहे हैं, इसलिये मैं ज्या दा से ज्या दा महिलाओं से आर्थिक आजादी के सफर पर चलने का आग्रह करती हूँ। सितारों को छू लो और अपने फाइनेंस का नियंत्रण खुद करो।"

विन स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित उद्यमियों के लिए एक नेटवर्क मीट का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। विन स्पोर्ट्स ने हाल ही में सूरत के क्रिकेट प्रेमी उद्यमियों के लिए एक अनूठी नेटवर्किंग मीट का आयोजन किया। इस मीट में 16 उद्यमियों ने पांच मिनट में अपने साथी क्रिकेटरों को अपना बिजनेस प्लान समझाया। यह कार्यक्रम वर्कस्पेस कंपनी सिटाडेल टावर्स में आयोजित किया गया था, जो एक सह-कार्यस्थल है जो निजी केबिन, सम्मेलन कक्ष, वाई-फाई सुविधाएं और पेशेवरों के लिए अपने व्यवसाय का संचालन करने के लिए एक कैफेटेरिया प्रदान करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)